

आज का पंचांग

तिथि : नवमी
नक्षत्र : पूर्वाषाढ़ा
प्रथम करण : कौवाला
द्वितीय करण : तैत्तिल
पक्ष : शुक्ल
वार : रविवार
योग : सौभाग्य
सूर्योदय : 06:08
सूर्यास्त : 18:13
चंद्रमा : धनु राशि में
राहुकाल : 16:42 - 18:13
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवत् : 1948
मास : भाद्रपद
शुभ मुहूर्त अभिजीत : 11:46 - 12:35

पगल कुत्ते का आतंक: 31 लोगों को काटा

सारंगढ़-बिलाईगढ़। छत्तीसगढ़ के सारंगढ़-बिलाईगढ़ में आवारा कुत्तों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस बीच एक आक्रामक कुत्ते ने 31 लोगों को काटकर घायल कर दिया, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दरअसल, वार्ड क्रमांक 1, 2, 3 और 4 में कुत्ते का आतंक देखने को मिला है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कुत्ता एक दिन पहले से असामान्य व्यवहार कर रहा था और राह चलते लोगों को निशाना बना रहा था। अब तक उसने 31 लोगों को घायल कर दिया है, जिसमें बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग भी शामिल हैं। सभी घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार किया गया। अस्पताल के डॉ. नरेंद्र रात्रे RMO ने बताया कि सभी 31 घायलों को एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगा दिया गया है और उनकी हालत सामान्य है।

मार्केट में करंट की चपेट में आया युवक, मौके पर मौत

जगदलपुर। शहर के संजय मार्केट में आज सुबह एक दर्दनाक हादसे में 16 वर्षीय युवक की मौत हो गई। युवक यहां दोसा सेंटर लगाता था। हादसा इतना अचानक हुआ कि युवक को संभलने का मौका तक नहीं मिला। पूरी घटना मौके पर लगे CCTV कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, युवक रोज की तरह सुबह करीब 7:30 बजे अपना दोसा सेंटर खोलने संजय मार्केट पहुंचा था। दुकान की साफ-सफाई करने के बाद वह ठेले के ऊपर चढ़ गया और ठेले पर लगी झिल्ली को ठीक करने लगा। इसी दौरान उसका संपर्क वहां पड़े कटे हुए बिजली के तार से हो गया।

स्कूल में अचानक गिरा छत का प्लास्टर, शिक्षक घायल

सूरजपुर. जिले के प्रतापपुर विकासखंड क्षेत्र में स्कूल भवन की जर्जर हालत ने चिंता बढ़ा दी है। हरिहरपुर स्थित नेवारडांड प्राथमिक शाला में छत का प्लास्टर अचानक नीचे गिर गया. इस दौरान शिक्षक के घायल होने की जानकारी है. घटना से स्कूल परिसर में हड़कंप की स्थिति बन गई. जानकारी के मुताबिक, प्राथमिक शाला भवन के छज्जे का प्लास्टर अचानक टूटकर नीचे आ गिरा, जिसकी चपेट में आने से

बस बेकाबू होकर पलटी, एक की मौत, 20 घायल

बड़ी संख्या में आम यात्री सवार थे. शनिवार सुबह बस बालोद से धमतरी की ओर जा रही थी. इसी दौरान करहीभदर के पास बस अनियंत्रित होकर दुर्घटना का शिकार हो गई. हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास से गुजर रहे लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी. हादसे के बाद शव को बस से बाहर निकालने में भी काफी मशक्कत करनी पड़ी. बताया जा रहा है कि शव को बाहर निकालने में करीब एक घंटे का समय लगा. वहीं घायलों को तत्काल एंबुलेंस 108 की मदद से बालोद जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार कराया जा रहा है.

संगीत-कला से पीढ़ियों को जोड़ रहा चक्रधर समारोह : रामविचार नेताम

रायगढ़ ■ दैनन्दिनी

41वें चक्रधर समारोह की पांचवीं सांस्कृतिक संख्या में छत्तीसगढ़ शासन के कृषि मंत्री एवं रायगढ़ जिले के प्रभारी मंत्री श्री रामविचार नेताम शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके बाद महाराजा चक्रधर सिंह के छायाचित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर प्रभारी मंत्री श्री नेताम ने कहा कि चक्रधर समारोह कला के माध्यम से लोगों को जोड़ने वाला ऐसा मंच है, जहां कला प्रेमी, कलाकार और कला साधक एक साथ आते हैं। उन्होंने रायगढ़ के उन कला

प्रेमियों और श्रोताओं को नमन किया, जो पूरी रात बैठकर विभिन्न प्रस्तुतियों का आनंद लेते हैं। उन्होंने कहा कि कला के प्रति रायगढ़ की यह निरंतर रुचि और समर्पण समारोह की विशेष पहचान है।

प्रभारी मंत्री श्री नेताम ने कहा कि स्वर्गीय महाराजा चक्रधर सिंह ने संगीत और कला के माध्यम से रायगढ़ घराने की पहचान को देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचाया। विशेष रूप से कथक नृत्य के क्षेत्र में उनके योगदान ने रायगढ़ को देश और दुनिया में अलग पहचान दिलाई। उनकी कला साधना से प्रेरित होकर चक्रधर समारोह आज भी कला की इस परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि

महाराजा चक्रधर सिंह की स्मृति में आयोजित यह समारोह केवल प्रस्तुतियों का मंच नहीं है, बल्कि कला और संस्कृति की परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम भी है। समारोह में प्रदेश के साथ देश के अलग-अलग क्षेत्रों से कलाकार शामिल होकर अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं।

मंत्री श्री नेताम ने पांचवें दिन प्रस्तुति देने वाले

महाराजा चक्रधर सिंह की स्मृति में आयोजित यह समारोह केवल प्रस्तुतियों का मंच नहीं है, बल्कि कला और संस्कृति की परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम भी है। समारोह में प्रदेश के साथ देश के अलग-अलग क्षेत्रों से कलाकार शामिल होकर अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं।

मंत्री श्री नेताम ने पांचवें दिन प्रस्तुति देने वाले

महाराजा चक्रधर सिंह की स्मृति में आयोजित यह समारोह केवल प्रस्तुतियों का मंच नहीं है, बल्कि कला और संस्कृति की परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम भी है। समारोह में प्रदेश के साथ देश के अलग-अलग क्षेत्रों से कलाकार शामिल होकर अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं।

मंत्री श्री नेताम ने पांचवें दिन प्रस्तुति देने वाले

महाराजा चक्रधर सिंह की स्मृति में आयोजित यह समारोह केवल प्रस्तुतियों का मंच नहीं है, बल्कि कला और संस्कृति की परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम भी है। समारोह में प्रदेश के साथ देश के अलग-अलग क्षेत्रों से कलाकार शामिल होकर अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं।

मंत्री श्री नेताम ने पांचवें दिन प्रस्तुति देने वाले

महाराजा चक्रधर सिंह की स्मृति में आयोजित यह समारोह केवल प्रस्तुतियों का मंच नहीं है, बल्कि कला और संस्कृति की परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम भी है। समारोह में प्रदेश के साथ देश के अलग-अलग क्षेत्रों से कलाकार शामिल होकर अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं।

मंत्री श्री नेताम ने पांचवें दिन प्रस्तुति देने वाले

महाराजा चक्रधर सिंह की स्मृति में आयोजित यह समारोह केवल प्रस्तुतियों का मंच नहीं है, बल्कि कला और संस्कृति की परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम भी है। समारोह में प्रदेश के साथ देश के अलग-अलग क्षेत्रों से कलाकार शामिल होकर अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं।

मंत्री श्री नेताम ने पांचवें दिन प्रस्तुति देने वाले

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अंबिकापुर में दो दिवसीय ‘अग्र महाकुंभ-2026’ का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री स्टार्टअप एवं निपुण मिशन के लिए 500 करोड़ का प्रावधान, सभी 33 जिलों में स्थापित होंगे उद्यमिता विकास केंद्र

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज अंबिकापुर में आयोजित दो दिवसीय ‘अग्र महाकुंभ-2026’ का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने अग्रवाल समाज की उद्यमिता, दानशीलता, परोपकार और समाजसेवा की समृद्ध परंपरा की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की आर्थिक और सामाजिक प्रगति में अग्रवाल समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। व्यापार और व्यवसाय से आगे बढ़कर समाज के उद्यमियों ने उद्योगों की स्थापना, रोजगार सृजन और जनसेवा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है।

मुख्यमंत्री ने महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने सामाजिक समानता, करुणा, सहयोग और सहभागिता पर आधारित समाज की कल्पना की थी। उनका संदेश था कि समाज की वास्तविक उन्नति तभी संभव है, जब प्रत्येक व्यक्ति को आगे बढ़ने का अवसर मिले और जो सक्षम हैं, वे जरूरतमंद लोगों का हाथ थामकर उन्हें भी प्रगति की राह पर आगे बढ़ाएं। अग्रवाल समाज ने महाराजा अग्रसेन जी के इन आदर्शों को पीढ़ी-दर-पीढ़ी अपने आचरण में उतारा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अग्रवाल समाज की पहचान केवल सफल व्यापार और उद्यमिता तक सीमित नहीं है। अर्थोपार्जन के साथ परमार्थ की भावना इस समाज की विशिष्टता रही है। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविरों, धर्मशालाओं, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी संस्थाओं तथा अनेक जनसेवा गतिविधियों के माध्यम से समाज निरंतर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाता आया है।

कोरोना महामारी के कठिन समय

का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब पूरा देश अभूतपूर्व संकट से जुझ रहा था, तब अग्रवाल समाज ने आगे बढ़कर जरूरतमंदों की सहायता की। मरीजों के लिए ऑक्सीजन की व्यवस्था हो, जरूरतमंद परिवारों तक राशन पहुंचाना हो अथवा स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से लोगों की मदद करना हो, समाज ने सेवाभाव का परिचय देते हुए अपनी जिम्मेदारी निभाई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश में ऐसा सुरक्षित, पारदर्शी और उद्योग-अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है, जहां व्यापार और उद्योगों का विस्तार हो, निवेश बढ़े और युवाओं के लिए रोजगार के अधिक से अधिक अवसर सृजित हों। उन्होंने कहा कि व्यापार और उद्योग जगत से जुड़े अग्रवाल समाज के अनुभवी लोगों के सुझाव शासन की नीतियों को और अधिक व्यावहारिक एवं जनोपयोगी बनाने में सहायक रहे हैं।

महिला शक्ति और युवाओं की भागीदारी से समाज को मिलेगी नई ऊर्जा

मुख्यमंत्री श्री साय ने अग्र महाकुंभ में महिला शक्ति को विशेष स्थान दिए जाने की सराहना करते हुए कहा कि आज हमारी बेटियां और बहनें परिवार की जिम्मेदारियां संभालने के साथ व्यापार, शिक्षा, चिकित्सा, उद्योग, स्टार्टअप और समाजसेवा सहित हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता का परिचय दे रही हैं। महिलाओं की बढ़ती भागीदारी परिवार, समाज और प्रदेश की आर्थिक प्रगति को नई शक्ति प्रदान कर रही है।

उन्होंने युवाओं के लिए आयोजित विशेष सत्र को भी महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि बदलते समय में नई पीढ़ी के सामने अवसरों का एक विशाल संसार



है। युवाओं को अपने संस्कारों और सामाजिक मूल्यों से जुड़े रहते हुए आधुनिक तकनीक, नवाचार और उद्यमिता को अपनाना होगा। मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि वे स्वयं को केवल नौकरी खोजने तक सीमित न रखें, बल्कि नए विचारों और उद्यमों के माध्यम से स्वयं आगे बढ़ें और दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर तैयार करें।

रोजगार केंद्रित औद्योगिक नीति से खुल रहे निवेश के नए द्वार

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार की औद्योगिक नीति 2024-30 को रोजगार केंद्रित बनाया गया है। इसमें सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ महिलाओं सहित विभिन्न वर्गों के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। प्रदेश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन की बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए पर्यटन को भी उद्योग का दर्जा दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य को अब तक लगभग 8 लाख 23 हजार करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। इन निवेश प्रस्तावों के

धरातल पर उतरने से प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार होने के साथ बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसर तैयार होंगे।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने युवाओं की उद्यमशीलता को नई दिशा देने के उद्देश्य से हाल ही में ‘मुख्यमंत्री स्टार्टअप एवं निपुण मिशन’ को मंजूरी दी है। इसके लिए आगामी पांच वर्षों में 500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। मिशन के अंतर्गत प्रदेश के सभी 33 जिलों में उद्यमिता विकास केंद्र स्थापित किए जाने की योजना है। इसके साथ ही 100 इमर्जिंग टेक्नोलॉजी लैब और 5 इंडस्ट्री सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे। इससे युवाओं को नई तकनीकों, कौशल, नवाचार और स्टार्टअप के क्षेत्र में आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ निर्यात प्रोत्साहन नीति 2026-30 को भी मंजूरी दी है। इसका उद्देश्य प्रदेश के छोटे उद्योगों, स्थानीय उत्पादों तथा मूल्य संवर्धित कृषि एवं औद्योगिक उत्पादों को देश और दुनिया

के बड़े बाजारों से जोड़ना है। इससे स्थानीय उद्यमियों के लिए नए बाजार खुलेंगे और छत्तीसगढ़ के उत्पादों को व्यापक पहचान मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सरगुजा अंचल की आर्थिक संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां पर्यटन, कृषि आधारित उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण और स्थानीय उत्पादों के क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। पर्यटन को उद्योग का दर्जा मिलने के बाद होटल, होम-स्टे और पर्यटन सेवाओं से जुड़े क्षेत्रों में निवेश एवं रोजगार के नए अवसर विकसित हो रहे हैं।

उन्होंने अग्रवाल समाज के अनुभवी उद्यमियों से आह्वान किया कि वे इन संभावनाओं से जुड़ें और अपने अनुभव तथा उद्यमशीलता के माध्यम से प्रदेश के युवाओं और छोटे उद्यमियों को भी आगे बढ़ने में सहयोग करें। बड़े और अनुभवी उद्यमियों का मार्गदर्शन नई पीढ़ी को आत्मनिर्भर बनने तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

मुख्यमंत्री ने अग्र महाकुंभ में

स्वास्थ्य एवं योग जैसे विषयों को शामिल किए जाने की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि व्यापार और कार्य की व्यस्तता के बीच स्वास्थ्य की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। स्वस्थ व्यक्ति से ही स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज का निर्माण होता है तथा स्वस्थ समाज ही निरंतर प्रगति की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ‘दशम अग्र अलंकरण’ के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की और सम्मानित होने वाली सभी विभूतियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि समाज की प्रतिभाओं का सम्मान नई पीढ़ी को भी अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित करता है।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन, अग्रवाल सभा अंबिकापुर, सरगुजा संभागीय अग्रवाल महासभा सहित आयोजन से जुड़े सभी पदाधिकारियों और सदस्यों को अग्र महाकुंभ-2026 के आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कामना की कि अग्रवाल समाज की उद्यमिता, सेवा, सहयोग और परोपकार की गौरवशाली परंपरा इसी तरह निरंतर आगे बढ़ती रहे और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में समाज अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहे। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अग्र महाकुंभ हमारी सामूहिक चेतना, संगठन शक्ति, सामाजिक उत्तरदायित्व और भविष्य की दिशा पर विचार करने का महत्वपूर्ण अवसर है। महाराजा अग्रसेन जी ने जिस सामाजिक व्यवस्था की कल्पना की थी, उसके मूल में समानता, सहयोग, संवेदनशीलता और सहभागिता की भावना थी।

भारत की नॉन-फॉसिल एनर्जी क्षमता में 400 प्रतिशत की वृद्धि हुई : पीएम मोदी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'द फ्यूचर ऑफ एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट डायनेमिक्स' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शनिवार को भारत की पर्यावरण से जुड़ी उपलब्धियों को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि भारत आज क्लीन मोबिलिटी और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में तेजी से काम कर रहा है। पीएम मोदी ने कहा, "अभी कुछ दिन पहले भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन चली है और ये दुनिया की सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेन है। ये क्लीन मोबिलिटी के एक नए युग की शुरुआत

है।" प्रधानमंत्री ने बताया कि पिछले 12 सालों में भारत की विंड एनर्जी क्षमता में 3 गुना बढ़ोतरी हुई है। हाइड्रो-एनर्जी क्षमता में भी मजबूत वृद्धि देखी गई है। नया

भारत न्यूक्लियर एनर्जी पर भी फोकस कर रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार इन क्षेत्रों में प्राइवेट प्लेयर्स के लिए भी रास्ते खोल रही है। इन प्रयासों से भारत की नॉन-फॉसिल एनर्जी क्षमता में 400 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ई-मोबिलिटी का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि 2014 से पहले भारत में हर साल केवल 3,000 ई-व्हीकल बिकते थे। पिछले साल करीब 25 लाख ईवी की बिक्री हुई, जो एक अविश्वसनीय वृद्धि है। इससे पर्यावरण को मदद मिल रही है।

उन्होंने कहा कि फास्टैग से टोल बूथ

भारत न्यूक्लियर एनर्जी पर भी फोकस कर रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार इन क्षेत्रों में प्राइवेट प्लेयर्स के लिए भी रास्ते खोल रही है। इन प्रयासों से भारत की नॉन-फॉसिल एनर्जी क्षमता में 400 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ई-मोबिलिटी का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि 2014 से पहले भारत में हर साल केवल 3,000 ई-व्हीकल बिकते थे। पिछले साल करीब 25 लाख ईवी की बिक्री हुई, जो एक अविश्वसनीय वृद्धि है। इससे पर्यावरण को मदद मिल रही है।

उन्होंने कहा कि फास्टैग से टोल बूथ

भारत न्यूक्लियर एनर्जी पर भी फोकस कर रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार इन क्षेत्रों में प्राइवेट प्लेयर्स के लिए भी रास्ते खोल रही है। इन प्रयासों से भारत की नॉन-फॉसिल एनर्जी क्षमता में 400 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ई-मोबिलिटी का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि 2014 से पहले भारत में हर साल केवल 3,000 ई-व्हीकल बिकते थे। पिछले साल करीब 25 लाख ईवी की बिक्री हुई, जो एक अविश्वसनीय वृद्धि है। इससे पर्यावरण को मदद मिल रही है।

उन्होंने कहा कि फास्टैग से टोल बूथ

भारत न्यूक्लियर एनर्जी पर भी फोकस कर रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार इन क्षेत्रों में प्राइवेट प्लेयर्स के लिए भी रास्ते खोल रही है। इन प्रयासों से भारत की नॉन-फॉसिल एनर्जी क्षमता में 400 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ई-मोबिलिटी का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि 2014 से पहले भारत में हर साल केवल 3,000 ई-व्हीकल बिकते थे। पिछले साल करीब 25 लाख ईवी की बिक्री हुई, जो एक अविश्वसनीय वृद्धि है। इससे पर्यावरण को मदद मिल रही है।

उन्होंने कहा कि फास्टैग से टोल बूथ

भारत न्यूक्लियर एनर्जी पर भी फोकस कर रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार इन क्षेत्रों में प्राइवेट प्लेयर्स के लिए भी रास्ते खोल रही है। इन प्रयासों से भारत की नॉन-फॉसिल एनर्जी क्षमता में 400 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ई-मोबिलिटी का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि 2014 से पहले भारत में हर साल केवल 3,000 ई-व्हीकल बिकते थे। पिछले साल करीब 25 लाख ईवी की बिक्री हुई, जो एक अविश्वसनीय वृद्धि है। इससे पर्यावरण को मदद मिल रही है।

उन्होंने कहा कि फास्टैग से टोल बूथ

उफलते नाले में बही कार, 8 की मौत



मालवा ■ एजेंसी

मध्य प्रदेश के जनपद आगर मालवा में एक कार के नाले में बहने से तीन बच्चों समेत 8 लोगों की मौत हो गई। सभी लोग नलखेड़ा में मां बगलामुखी के दर्शन के लिए आए थे। इसी दौरान मंदिर के समीप बरसाती नाले को पार करते समय कार तेज बहाव में बह गई। यह घटना आगर मालवा जनपद के नलखेड़ा क्षेत्र में मां बगलामुखी मंदिर के समीप हुई। मिली जानकारी के अनुसार चालक को पानी के बहाव का अंदाजा नहीं था। लिहाजा उसने नाले को पार करने की कोशिश की, इसी के

चलते कार पानी के बहाव के साथ नाले में जा समाई। शनिवार की सुबह जब नाले का पानी उतर गया तो राहगीरों ने नाले में कार को देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी गई। आगर मालवा के पुलिस अधीक्षक ने पुष्टि की है कि इस घटना में कुल आठ

लोगों की मौत हो गई है। बताया गया कि मरने वालों में तीन बच्चे, दो महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं। हालांकि, अभी तक मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। प्रारंभिक तौर पर जो जानकारी मिली है उसमें बताया गया है कि कार में सवार सात

लोग उड़ीसा के निवासी थे और वह नलखेड़ा में मां बगलामुखी के दर्शन करने जा रहे थे। इन लोगों ने उज्जैन से कार किराए से की थी।

इससे पहले, मध्य प्रदेश के मंडला में एक युवती नर्मदा के तेज बहाव में बहने की खबर सामने आई थी। मौके पर मौजूद मछुआरों की नजर उस पर पड़ गई और उन्होंने करीब 200 मीटर दूर बह रही युवती को पानी से बाहर निकाला और उसकी जान बचा ली। पुलिस को युवती का बैग भी मिला। बैग में रखे कागज पर मिले नंबर से उसकी पहचान टिकरिया थाना क्षेत्र की निवासी के रूप में हुई।

लोग उड़ीसा के निवासी थे और वह नलखेड़ा में मां बगलामुखी के दर्शन करने जा रहे थे। इन लोगों ने उज्जैन से कार किराए से की थी।

इससे पहले, मध्य प्रदेश के मंडला में एक युवती नर्मदा के तेज बहाव में बहने की खबर सामने आई थी। मौके पर मौजूद मछुआरों की नजर उस पर पड़ गई और उन्होंने करीब 200 मीटर दूर बह रही युवती को पानी से बाहर निकाला और उसकी जान बचा ली। पुलिस को युवती का बैग भी मिला। बैग में रखे कागज पर मिले नंबर से उसकी पहचान टिकरिया थाना क्षेत्र की निवासी के रूप में हुई।

'महाकाव्य श्री रामायण कथा' का ट्रेलर रिलीज, सीता-राम बने अंजलि अरोड़ा-देव शर्मा, नेटिजन्स ने दिए मिक्सड रिएक्शन

मुंबई (एजेंसी)। फिल्म 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। यह फिल्म 25 सितंबर को पूरे भारत के सिनेमाघरों में हिंदी और छत्तीसगढ़ी भाषाओं में एक साथ रिलीज होने वाली है। फिल्म में देव शर्मा भगवान राम के रोल में, अंजलि अरोड़ा माता सीता के किरदार में और रजनीश दुग्गल रावण के रोल में नजर आएंगे। इनके साथ ही शील वर्मा लक्ष्मण और निर्भय वाधवा हनुमान की भूमिका निभाएंगे। यह फिल्म सीता और राम की कहानी को बड़े पर्दे पर दिखाएगी, जिसमें प्यार, भक्ति, मर्यादा और धर्म को भावनात्मक केंद्र में रखा गया है। वहीं नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित बहुचर्चित फिल्म 'रामायण' का पहला भाग दुनिया भर में दीवाली 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

महाकाव्य श्री रामायण कथा ट्रेलर रिलीज
दो मिनट 43 सेकंड का 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' का ट्रेलर दर्शकों को रामायण के कुछ खास पलों और भावनाओं से रूबरू कराता है, जैसे राम-सीता का रिश्ता, उनका वनवास का सफर, सीता हरण, हनुमान की अटूट भक्ति और आखिर में धर्म-अधर्म के बीच का टकराव। ट्रेलर में इस टकराव को 'अधर्म के सामने धर्म का नाम, श्री राम' के विचार के साथ दिखाया गया है। फिल्म की कहानी में सच्चाई और सम्मान को खास महत्व दिया गया है। हालांकि, सोशल मीडिया पर 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' के ट्रेलर को नेटिजन्स से मिला-जुला रिसर्पोन्स मिला है।



महाकाव्य श्री रामायण कथा को मिले मिक्सड रिएक्शन
'महाकाव्य श्री रामायण कथा' कई वजहों से चर्चा में है, जैसे रणबीर कपूर और साई पल्लवी की 'रामायण' से तुलना, अंजलि अरोड़ा की कास्टिंग

पर हंगामा। लोगों को इस फिल्म का ट्रेलर कुछ खास नहीं लगा। कुछ को VFX अच्छे लगे, लेकिन कास्टिंग किरदार के अनुसार सही नहीं लगी और वहीं स्टार्स अपनी एक्टिंग की वजह से भी ट्रोल हो रहे हैं। खैर,

अच्छा हो या बुरा ट्रेलर ने सभी का ध्यान खींचा और कई लोग X पर अपने रिव्यू शेयर कर रहे हैं। एक यूजर ने ट्वीट किया, 'थिएटर में रिलीज होने वाली फिल्म में TV शो जैसी वाइब आ रही है। इंस्टाग्राम

इन्फ्लुएंसर अंजलि अरोड़ा अजीब डायलॉग बोल रही हैं और श्री राम का किरदार निभाने वाले एक्टर ओवरएक्टिंग की हद पार कर रहे हैं।' दूसरे ने लिखा, 'आदिपुरुष से बेहतर है।'

'महाकाव्य श्री रामायण कथा' का ट्रेलर रिव्यू
एक X यूजर का कहना है कि हर किसी को रामायण पर कंटेंट बनाने का अधिकार है, लेकिन 'महाकाव्य श्री राम कथा' खास नहीं लगी। उन्हें लगता है कि ट्रेलर कम बजट वाला है। उनका कहना है कि AI की वजह से कुछ सीन अच्छे नहीं लग रहे और VFX भी खराब हैं। हालांकि, उनका कहना है कि यह 'आदिपुरुष' से बेहतर है।

एक यूजर ने 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' का ट्रेलर रिव्यू देते हुए,

इसकी तारीफ की और इसे परफेक्ट बताया है।

दूसरी ओर, कुछ लोगों को तो 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' का ट्रेलर 'आदिपुरुष' भी से ज्यादा बुरा लगा।

अंजलि अरोड़ा ने ट्रेलिंग पर बात की
ट्रेलर लॉन्च के दौरान कच्चा बादाम गर्ल उर्फ अंजलि अरोड़ा ने फिल्म में माता सीता का रोल निभाने के लिए सोशल मीडिया पर ट्रोल होने के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'सोशल मीडिया पर जो कुछ भी होता है... वह कुछ समय के लिए ही होता है, लेकिन मुझे नहीं पता कि लोगों ने अभी तक मुझे कच्चा बादाम गर्ल के रूप में क्यों یاد रखा है? मैंने कुछ अलग नहीं किया, मैंने बस ट्रेंड को फॉलो किया।

अनिल कपूर के साथ देखिए और खेलिए भारत का सबसे बड़ा गेम शो- 'इंडिया के टॉप 1%'

मुंबई (एजेंसी)। अनिल कपूर आज रात स्टार प्लस के 'इंडिया के टॉप 1%- द अनिल कपूर शो' के ग्रैंड प्रीमियर के साथ टेलीविजन पर धमाकेदार आगाज करने के लिए तैयार हैं। इस गेम शो में 100 प्रतियोगी अपनी सूझबूझ, बारीक नजर और रोजमर्रा की समझ के दम पर टॉप 1% में जगह बनाने और 1 करोड़ रुपए तक जीतने के लिए खेलेंगे। हालाँकि, इस खेल का रोमांच केवल मंच पर मौजूद प्रतियोगियों तक सीमित नहीं रहेगा। जियोहॉटस्टार के 'प्ले अलॉन' फीचर के जरिए दर्शक भी घर बैठे रियल टाइम में सवालों के जवाब दे सकेंगे और खेल का हिस्सा बन पाएँगे। इतना ही नहीं, उनके पास स्मार्टफोन और स्मार्ट टीवी जैसे शानदार इनाम जीतने का मौका भी होगा।



शो के दौरान अपने तिलक नगर के दिनों को याद करते हुए अनिल कपूर ने एक मजेदार किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया, "हम चेंबूर के तिलक नगर में रहते थे, जहाँ छोटी-बड़ी कई शायियाँ होती रहती थीं। मैं और मेरे दोस्त मिलकर उन शायियों में पहुँच जाते थे। मुफ्त की चीज किसे पसंद नहीं होती? चाहे कोई तोहफा हो या खाना, अगर कुछ मुफ्त मिल रहा हो तो लोग कहीं भी पहुँच जाते हैं।" उन्होंने आगे कहा, "मैं तो वहीं सिर्फ गोल्ड स्पांट और मैंगोला पीने जाता था। हम 'हैलो, हैलो, कैसे हैं आप?' कहते हुए अंदर घुसते और सीधे काउंटर पर पहुँच जाते थे। वहाँ हम गोल्ड स्पांट और मैंगोला की 11 से 12 बोतलें पी जाते थे। आपने वह कहावत तो सुनी ही होगी, 'बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना।' लेकिन, असल में इसे होना चाहिए, बेगानी शादी में अनिल कपूर दीवाना!" आज रात 8 बजे स्टार प्लस और जियोहॉटस्टार पर देखिए 'इंडिया के टॉप 1%- द अनिल कपूर शो' का ग्रैंड प्रीमियर।

धनश्री वर्मा गणपति विसर्जन में हुई भावुक, बप्पा को विदा करते हुए छलके आंसू

मुंबई (एजेंसी)। धनश्री वर्मा का एक इमोशनल वीडियो सामने आया है, जो गणपति विसर्जन 2026 का है। उन्होंने भगवान गणेश को भावुक विदाई दी और नम आंखों से उनसे प्रार्थना करते देखीं। कोरियोग्राफर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने विसर्जन समारोह की झलकियाँ अपने फॉलोअर्स के साथ शेयर कीं, जिसमें इस मौके की खुशी और भक्ति साफ झलक रही थी। हालाँकि, विदाई के समय वह भावनाओं में बह गई, जब बप्पा की मूर्ति को विसर्जन के लिए ले जाया जा रहा था तो धनश्री की आंखों में आंसू आ गए और रोते हुए बप्पा को विदाई दी।

गणपति विसर्जन में धनश्री वर्मा के छलके आंसू
गणपति विसर्जन गणेश चतुर्थी के जश्न के समापन का दिन होता है और यह हर भक्त के लिए एक भावुक कर देने वाला पल होता है। ऐसा ही कुछ गणपति विसर्जन के दौरान धनश्री वर्मा के साथ भी हुआ। वह भगवान गणेश को विदाई देते समय रोते हुए, उनसे आशीर्वाद मांगती हैं और अगले साल उनके वापस आने की उम्मीद करती हैं। धनश्री के इमोशनल रिएक्शन से साफ है कि उनका बप्पा से



हुआ। वह भगवान गणेश को विदाई देते समय रोते हुए, उनसे आशीर्वाद मांगती हैं और अगले साल उनके वापस आने की उम्मीद करती हैं। धनश्री के इमोशनल रिएक्शन से साफ है कि उनका बप्पा से

गहरा जुड़ाव है। अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए धनश्री ने फैंस को अपने गणेशोत्सव और गणपति विसर्जन की झलक दिखाई। उनकी भावुक विदाई ने कई फॉलोअर्स के

दिलों को छू लिया, जिन्होंने उन पर प्यार और आशीर्वाद बरसाया। जश्न भले ही खत्म हो गया हो, लेकिन धनश्री की दिल से दी गई विदाई ने गणपति विसर्जन से जुड़ी भक्ति और भावनाओं को दिखाया है।

5 साल में टूटी धनश्री-युजवेंद्र की शादी
धनश्री वर्मा लंबे समय से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा ने दिसंबर 2020 में शादी करने के बाद 20 मार्च 2025 को आपसी सहमति से आधिकारिक तौर पर तलाक ले लिया। धनश्री सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं।

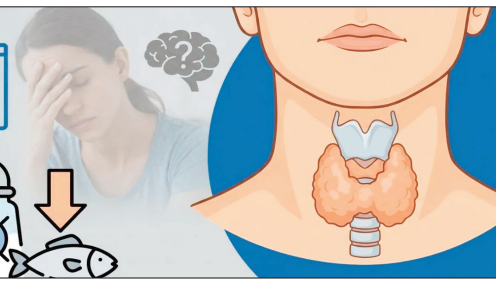
वह हाल ही में अमेजन एमएक्स प्लेयर के 'राइज एंड फॉल' में नजर आई थीं, जिसे अशनीर ग्रोवर द्वारा होस्ट किया गया था। अब 'राइज एंड फॉल' वीरेंद्र सहवाग होस्ट करेंगे।

सेहत

आयोडीन की कमी को पूरा करने के लिए डाइट में कौन कौन सी चीजें शामिल करनी चाहिए?

आयोडीन हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी मिनरल है। जिसकी जरूरत शरीर को थायरॉयड हार्मोन बनाने के लिए होती है। ये हार्मोन शरीर के मेटाबॉलिज्म, शरीर का तापमान, एनर्जी लेवल, बढ़ने और दिमाग के विकास को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। शरीर में आयोडीन की कमी से घेंघा रोग, थायराइड संबंधी समस्याएं, थकान, वजन बढ़ना और बच्चों में शारीरिक व मानसिक विकास में रुकावट जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। ऐसे में डॉ. प्रसन्ना कार्तिक एस, सीनियर कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, ग्लेनीगल्स बता रहे हैं

कि इसकी आयोडीन की कमी को कैसे दूर कर सकते हैं।
आयोडीन वाला नमक
आयोडीन की कमी दूर करने के लिए आप आयोडीन वाला नमक इस्तेमाल कर सकते हैं। बिना आयोडीन वाले नमक की जगह आयोडीन वाला नमक इस्तेमाल करने से शरीर की रोज़ की जरूरत पूरी करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, नमक का सेवन सीमित मात्रा में ही करना चाहिए, क्योंकि ज्यादा नमक खाने से हाई ब्लड प्रेशर का खतरा बढ़ सकता है। आयोडीन वाले नमक को बंद डिब्बे में, नमी और गर्म चीजों से दूर रखें, ताकि



उसमें मौजूद आयोडीन लंबे समय तक बना रहे।
डेयरी प्रोडक्ट्स
दूध, दही, योगर्ट और दूसरे डेयरी प्रोडक्ट्स से भी आयोडीन मिल सकता है। हालांकि इनमें आयोडीन की मात्रा अलग-अलग

से मिलने वाले खाद्य पदार्थों, जैसे बीन्स, अनाज और सब्जियों में भी अलग-अलग मात्रा में आयोडीन पाया जाता है। पत्तागोभी, फूलगोभी और ब्रोकली जैसी सब्जियों में गोइट्रोजन नाम के कुछ तत्व होते हैं, जो बहुत ज्यादा मात्रा में खाने पर शरीर में आयोडीन के इस्तेमाल में रुकावट डाल सकते हैं। आयोडीन की कमी या थायरॉयड की बीमारी वाले लोगों को इन सब्जियों को ज्यादा मात्रा में, खासकर कच्चा या सलाद के रूप में, खाने से बचना चाहिए और अपनी डाइट के बारे में डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। (एजेंसी)

जरूरी है हड्डियों को मजबूत बनाना

एक कमजोर हड्डी को मजबूत बनाने में 150 दिन लगते हैं लेकिन उसे खराब होने में सिर्फ 20 दिन लगते हैं। इसलिए ये जानना बहुत जरूरी है कि बोनस को ताकतवर बनाकर शरीर को सेहतमंद कैसे रख सकते हैं।

स्किपिंग पैरों, पेल्विक फ्लोर और रीढ़ की हड्डियों को मजबूत बनाती है। सीढ़ियां चढ़ने-उतरने से थाइज, घुटने, पिंडलियां और टखने मजबूत रहते हैं। हड्डियां स्ट्रॉंग रहे उसके लिए जरूरी है कि उनकी डेंसिटी न घटे। और इसके लिए आप पुशअप्स कर सकते हैं या फिर स्क्वॉट्स के साथ वेट ट्रेनिंग जैसे डबल लेकर लंजेज, बाइसेप्स, ट्राई सेप्स जैसी एक्सरसाइज कर सकते हैं।

गौर करने वाली बात- हड्डियों में ताकत के साथ-साथ लचीलापन होना भी जरूरी है। इसके लिए सबसे कारगर योगाभ्यास हैं ताड़ासन, तिर्यक ताड़ासन, उष्ट्रासन, सेतुबंधासन और चक्रासन। हफ्ते में सिर्फ 5 दिन इनमें से कोई भी तरीके से पसीना बहाने से ऑस्टियोपोरिस का खतरा 70% तक कम हो जाता है। सौ बातों की एक बात, जवानी में जमा करें और बुढ़ापे में खर्च यानी आपने

बचपन से लेकर 35 की उम्र तक अगर पसीना बहाया, हड्डियां को सही खानपान दिया, तो उम्र बढ़ने के साथ आपकी हड्डियां उतनी कमजोर नहीं होंगी जितनी आपकी उम्र के किसी दूसरे शख्स की होंगी।

अगर आप हड्डियों को मजबूत बनाने में कामयाब हो गए, तो न तो घुटने घिसने की नौबत आएगी और न ही यंग एज में जॉइंट्स की परेशानी बढ़ेगी।

विटामिन-डी और कैल्शियम की कमी से युवाओं की भी बोनस इतनी कमजोर हो रही है कि जरा सा झटका लगने या चोट लगने से फ्रैक्चर हो रहा है। ऐसे हालात न बनें, उसके लिए जरूरी है कि आज से और अभी से एक्टिव हो जाएं। योग की शरण में आएँ और जीवन सेहतमंद बनाएं। अगर आपको गठिया का दर्द रहता है तो चाय-कॉफी न लें, टमाटर न खाएं, शुगर कम करें, तला-भुना खाने से बचें और वजन कंट्रोल रखें।

किस-किस वजह से बढ़ सकता है दर्द- वजन उठाने से गठिया का दर्द बढ़ सकता है। वजन सहने वाले जोड़ यानी घुटने-कूल्हे में दर्द महसूस हो सकता है। (एजेंसी)

हल्दी का दूध ही नहीं, पानी भी सेहत के लिए फायदेमंद

चुटकी भर हल्दी आपकी सेहत को काफी हद तक सुधार सकती है, बस जरूरत है औषधीय गुणों से भरपूर हल्दी को सही मात्रा में और सही तरीके से अपने डाइट प्लान का हिस्सा बनाने की। अक्सर आपने हल्दी का दूध पीने के फायदों के बारे में सुना होगा। लेकिन क्या आपने कभी हल्दी का पानी पीने के फायदों के बारे में सुना है? अगर नहीं, तो आज हम आपको बताएंगे कि हल्दी का पानी पीने से आपके शरीर को और आपकी सेहत को क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं...

मिलेंगे फायदे ही फायदे- हल्दी के पानी को गट हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। लीवर डिटॉक्सिफिकेशन के लिए भी हल्दी के पानी को डाइट प्लान में शामिल किया जा सकता है। जोड़ों के दर्द और गठिया से राहत पाने के लिए भी हल्दी के पानी का सेवन किया जा सकता है। इतना ही नहीं दिल से जुड़ी गंभीर और खतरनाक बीमारियों के खतरे को कम करने के लिए और दिल की सेहत को मजबूत बनाए रखने के लिए हल्दी का पानी पीने की सलाह दी जाती है।

बूस्ट करे इम्यूनिटी- क्या आप कमजोर इम्यूनिटी की वजह से बार-बार बीमार पड़ जाते हैं? अगर हां, तो हल्दी का पानी पीने से आपका इम्यून सिस्टम मजबूत बन सकता है। वजन घटाने के लिए भी हल्दी का पानी पीने की सलाह दी जाती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि पोषक तत्वों से भरपूर हल्दी का पानी आपकी सेहत के साथ-साथ आपकी त्वचा के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

सेवन करने का तरीका- सबसे पहले एक गिलास में गुनगुना पानी निकाल लीजिए। अब इसी गिलास में एक-चौथाई चम्मच हल्दी पाउडर और एक चुटकी काली मिर्च को मिक्स कर लीजिए। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए सुबह-सुबह खाली पेट हल्दी का पानी पीने की सलाह दी जाती है। ध्यान रहे कि आपको लिमिट में रहकर ही हल्दी के पानी का सेवन करना चाहिए वरना आपकी सेहत पर पॉजिटिव की जगह नेगेटिव असर भी पड़ सकता है।

गुणों की खान है पाइनएप्पल, खाने से मिल सकते हैं ये कमाल के फायदे

पाइनएप्पल जिसे अनानास भी कहा जाता है न केवल स्वाद में बेहतरीन होता है, बल्कि सेहत के लिए भी किसी वरदान से कम नहीं है। ये खाने में खट्टा-मीठा लगता है। सबसे खास बात ये है कि अनानस का पौधा बहुत ज्यादा लंबा नहीं होता है। एक पौधे में बस एक ही फल निकलता है। लेकिन इसके फायदे कमाल के हैं। डायबिटीज के मरीजों के लिए भी ये फायदेमंद है। ये शुगर लेवल को बहुत तेजी से नहीं बढ़ाता। फेमस हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. बिमल छाजेड़ के अनुसार, अनानास में मौजूद पोषक तत्व शरीर को कई तरह की बीमारियों से बचाने और सेहत सुधारने में बेहद मददगार होते हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं अनानस खाने के फायदे।

इम्यूनिटी के लिए
अनानास विटामिन सी का बेहतरीन स्रोत है। विटामिन सी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है, जिससे



सर्दी, जुकाम और वायरल संक्रमण जैसी समस्याओं से बचा जा सकता है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स सेल्स का

नुकसान से बचाते हैं।
पाचन क्रिया में सुधार
अनानास में 'ब्रोमलेन' नाम का एक खास एंजाइम पाया

जाता है। डॉ. छाजेड़ के मुताबिक, ब्रोमलेन प्रोटीन को आसानी से तोड़ने में मदद करता है, जिससे पाचन तंत्र बेहतर

रहता है। जिन्हें पेट में भारीपन, गैस या कब्ज की शिकायत रहती है, उनके लिए ये बेहद फायदेमंद साबित होता है।

हार्ट हेल्थ के लिए
अनानास में पोटैशियम और फाइबर होता है। पोटैशियम ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में मदद करता है, जिससे दिल पर दबाव कम होता है। इसके अलावा, इसमें मौजूद फाइबर कोलेस्ट्रॉल के स्तर को संतुलित रखने में सहायक है, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा कम करता है।
सूजन और जोड़ों के दर्द में राहत
अनानास में मौजूद ब्रोमलेन एंजाइम में एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं। यह शरीर की अंदरूनी सूजन को कम करने में मदद करता है। आर्थराइटिस या जोड़ों के दर्द से जूझ रहे लोगों के लिए इसका नियमित सेवन राहत दे सकता है।
हड्डियों को बनाए मजबूत
इसमें मैगनीज प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। मैगनीज हड्डियों को मजबूत बनाने और उनके घनत्व को बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी खनिज है। (एजेंसी)

सेवा संकल्प के तहत युवाओं ने किया रक्तदान

दुर्ग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत दुर्ग स्थित जिला कार्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए लगभग 50 यूनिट रक्तदान किया। रक्तदान करने वाले युवाओं को कार्यक्रम के पश्चात प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर सांसद श्री विजय बघेल ने कहा कि रक्तदान मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। जरूरत के समय रक्त की उपलब्धता किसी व्यक्ति के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। युवाओं द्वारा आगे बढ़कर रक्तदान करना समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी और सेवा भावना को दर्शाता है। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने रक्तदान करने वाले युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि एक व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान जरूरतमंद के लिए जीवनरक्षक साबित हो सकता है। युवाओं का इस पुनीत कार्य के लिए आगे आना समाज में सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत करता है। श्री सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से विभिन्न जनसेवा गतिविधियों को आगे बढ़ाया जा रहा है। रक्तदान शिविर में युवाओं की सक्रिय भागीदारी यह संदेश देती है कि जनभागीदारी के माध्यम से सेवा कार्यों को व्यापक स्वरूप दिया जा सकता है। शिविर में हिमांशु सिंह, हर्ष लोढा, अब्दुल्ला कुरैशी, हर्ष चंदेल, उमेश कोटवानी, राम फुटान, तुषार सोनी, सोमू सारथी, तुषार राजपूत, गौरव चन्दनिया, शुभम दाता सहित बड़ी संख्या में युवाओं ने रक्तदान किया।

1070.3 मिमी वर्षा दर्ज

कोरबा। कोरबा जिले में एक जून से आज तक कुल 1070.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। अधीक्षक भू-अभिलेख से मिली जानकारी के अनुसार उक्त अवधि में जिले की तहसील अजरगबहार में 943.8, कोरबा 1414.2 मिलीमीटर, भैंसमा, 1175.5, करतला 1230.1, बरपाली 918.6, कटघोरा 1027.1, दीपका 1112.8, दर्दी 1161, पाली 1091.5, हरदीबाजार 865.4, पोंडीउपरोड़ा 1003.6, और पसान तहसील में 900 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। इसी तरह पिछले 24 घंटे में जिले में 2.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है।

शासकीय योजनाओं से संवर रही वर्षा यादव की जिंदगी

कोरबा। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें आजीविका से जोड़ने के प्रयासों से परिवारों के जीवन में नई उम्मीद और आत्मविश्वास का संचार हो रहा है। ग्राम बिरा, विकासखंड पोड़ी उपरोड़ा की श्रीमती वर्षा यादव भी इन योजनाओं का लाभ लेकर अपनी आजीविका को मजबूत कर रही हैं। बिहान योजना के अंतर्गत कैलाश स्व सहायता समूह से जुड़कर उन्होंने आर्थिक गतिविधि की शुरुआत की। समूह के माध्यम से मिले सीआईएफ फंड और बैंक ऋण की सहायता से आज वे किराना दुकान का संचालन कर रही हैं। नियमित आय के इस साधन से परिवार की जरूरतों को पूरा करने में उन्हें सहयोग मिल रहा है और वे आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ रही हैं।

मुख्यमंत्री ने चौथे बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव-2026 का किया शुभारंभ

कैंसर के खिलाफ लड़ाई में मरीज को यह भरोसा दिलाया जरूरी कि वह अकेला नहीं : साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

कैंसर के विरुद्ध लड़ाई केवल बीमारी के उपचार तक सीमित नहीं है। मरीज को आधुनिक और प्रभावी उपचार उपलब्ध कराने के साथ उसका मनोबल बनाए रखना तथा उसे यह विश्वास दिलाना भी उतना ही आवश्यक है कि इस कठिन लड़ाई में वह अकेला नहीं है। चिकित्सकों का संवेदनशील व्यवहार और परिवार एवं समाज का भावनात्मक सहयोग मरीज के भीतर बीमारी से लड़ने का हौसला बढ़ाता है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज नवा रायपुर स्थित मेफेयर में बालको मेडिकल सेंटर द्वारा आयोजित चौथे बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव-2026 के शुभारंभ अवसर पर संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि कैंसर आज पूरी दुनिया के सामने गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है। कैंसर का नाम सुनते ही मरीज के साथ पूरा परिवार चिंता और अनिश्चितता से घिर जाता है। बीमारी का प्रभाव केवल मरीज के शरीर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसकी मानसिक, पारिवारिक और आर्थिक परिस्थितियों पर भी पड़ता है। इसलिए कैंसर के उपचार में समग्र दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि चिकित्सक जब आत्मीयता और संवेदनशीलता के साथ मरीज से जुड़ते हैं तो वे केवल बीमारी का उपचार नहीं करते, बल्कि मरीज और उसके परिवार के लिए विश्वास और हौसले का आधार भी बनते हैं। चिकित्सा विज्ञान में हो रही प्रगति के साथ मानवीय संवेदना का यह पक्ष कैंसर से लड़ाई को और मजबूत बनाता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कैंसर से लड़ाई में सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक बीमारी की समय पर पहचान है। शुरुआती अवस्था में कैंसर की पहचान होने पर प्रभावी उपचार की संभावनाएं काफी बढ़ जाती हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी कैंसर सहित गंभीर बीमारियों की समय पर स्क्रीनिंग और रोकथाम को प्राथमिकता दी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कॉन्क्लेव में उपस्थित विशेषज्ञों से आग्रह किया कि वे ऐसी आधुनिक तकनीकों, अनुसंधानों और प्रभावी उपायों पर विचार करें, जिनसे कैंसर की जल्द पहचान हो सके और उपचार को अधिक सस्ता, सुलभ तथा आम लोगों की पहुंच में लाया जा सके। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कॉन्क्लेव चिकित्सा जगत के अनुभव, शोध और नवाचार को साझा करने का

महत्वपूर्ण मंच हैं। यहां होने वाला विचार-विमर्श भविष्य की स्वास्थ्य नीतियों और उपचार पद्धतियों को नई दिशा देने में सहायक होगा।

प्रदेश में लगातार मजबूत हो रही स्वास्थ्य अधीनसचना

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के समय प्रदेश में केवल एक मेडिकल कॉलेज था। आज शासकीय और निजी मेडिकल कॉलेजों को मिलाकर इनकी संख्या 15 हो गई है। इसके साथ ही पांच नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

श्री गणेश उत्सव के अवसर पर राज कंस्ट्रक्शन ने कराया भंडारा, बिलासपुर प्रेस क्लब की टीम हुई शामिल

बिलासपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। अशोक नगर स्थित अर्जुन रेजिडेंसी फेज-2, बिरकोना रोड में श्री गणेश उत्सव 2026 के अवसर पर RAJ Construction की ओर से अर्जुन कुशवाहा के नेतृत्व में पांच दिवसीय दैनिक भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। प्रथम वर्ष के गणेश उत्सव के पावन अवसर पर आयोजित इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर भगवान श्री गणेश के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। यह भंडारा 18 सितंबर से 22 सितंबर 2026 तक प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित किया जा रहा है।

आयोजन स्थल अशोक नगर, अर्जुन रेजिडेंसी फेज-2, बिरकोना रोड, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) है। गणेश उत्सव के साथ यहां धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है। इसी भंडारा आयोजन में आज बिलासपुर प्रेस क्लब की टीम भी पहुंची और भगवान श्री गणेश के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस दौरान बिलासपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष अजीत मिश्रा, उपाध्यक्ष विजय क्रांति तिवारी, पूर्व अध्यक्ष तिलक राज सलूजा एवं पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र गहवाई, पवन सोनी, मोहम्मद इजराइल, अभिजीत पांडे, सदाब खान, प्रवीण सिंह, अमन सिंह, विकल्प तलवार, गोलू कच्छवाहा, जफर आगा, वासु तिवारी, शोयज सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

प्रेस क्लब की टीम ने आयोजन में शामिल होकर भगवान श्री गणेश का आशीर्वाद लिया और RAJ Construction की ओर से आयोजित भंडारा एवं गणेश उत्सव की पहल की सराहना करते हुए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं। आयोजकों का कहना है कि गणेश उत्सव के माध्यम से श्रद्धालुओं को धार्मिक वातावरण से जोड़ने और सेवा भाव के साथ प्रसाद वितरण करने का प्रयास किया जा रहा है। पांच दिनों तक चलने वाले इस भंडारे में श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन प्रसाद की व्यवस्था की गई है।

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेऊर में 'मेरे सपनों का विकसित भारत 2047' अभियान के अंतर्गत चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर विकसित भारत के संकल्प, आत्मनिर्भरता, शिक्षा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं देश के उज्ज्वल भविष्य से जुड़े विषयों पर अपने विचार एवं प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से

सोनहले, शाला प्रबंधन एवं विकास समिति शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेऊर के अध्यक्ष नारायण माठले, आचार्य बामदेव राज सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर रतिराम भट्ट ने कहा कि मेरे सपनों का विकसित

भोजपा जिला उपाध्यक्ष आदिवासी मोर्चा के रतिराम भट्ट, ग्राम पंचायत नेऊर की सरपंच तथा भोजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष श्रीमती पार्वती

भारत विजन 2047 केवल एक लक्ष्य नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक के संकल्प और सहभागिता से पूरा होने वाला राष्ट्रीय अभियान है।

मेरे सपनों का भारत' में काजल ने रखे अपने विचार

दुर्ग। शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुर्ग की छात्रा काजल प्रजापति ने 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर अपने विचार साझा करते हुए ऐसे भारत की कल्पना प्रस्तुत की, जहां प्रत्येक बच्चे को समान एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर मिले।

उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से बच्चों और युवाओं को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जाने चाहिए। काजल ने अपने विचारों में स्वच्छ एवं समृद्ध समाज की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। पूर्व प्रदेश मंत्री (भाजपा) और पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राकेश कुमार यादव ने कृषि एवं आदिम जाति कल्याण मंत्री छत्तीसगढ़ शासन रामविचार नेताम से मुलाकात कर बालोद जिले में कृषि उपज मंडी समिति की नवीन मंडी प्रांगण की स्वीकृति के लिए ज्ञापन सौंपा।

युवा शक्ति विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी ताकत : तोखन साहू

केंद्रीय कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने रायपुर में 20वें रोजगार मेले में 215 नव-नियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए

रायपुर ■ दैनन्दिनी

केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार, साईंस कॉलेज परिसर, रायपुर में आयोजित 20वें रोजगार मेले में नव-नियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देशभर के नव-नियुक्त युवाओं को संबोधित किया। 20वें रोजगार मेले के तहत देशभर के 45 स्थानों पर 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इसके साथ ही विभिन्न केंद्रीय विभागों एवं सरकारी संगठनों में नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले युवाओं की संख्या लगभग 12.75 लाख हो गई है।

श्री साहू ने कहा कि रोजगार मेला युवाओं को सरकारी सेवा से जोड़ने के साथ राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

उन्होंने नव-नियुक्त युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि नियुक्ति पत्र केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि जनसेवा और राष्ट्र सेवा की जिम्मेदारी का अवसर है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को आगे बढ़ते हुए युवाओं को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। रोजगार मेले के माध्यम न रहकर स्वरोजगार, उद्यमिता, कौशल विकास और आधुनिक तकनीक के अवसरों का भी लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया, पीएम विश्वकर्मा और पीएम स्वन्धि जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन प्रयासों के माध्यम से युवाओं, उद्यमियों, कारीगरों और छोटे कारोबारियों के लिए आर्थिक अवसरों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने नव-नियुक्त युवाओं से कहा कि वे अपने कार्यस्थल पर ईमानदारी, संवेदनशीलता, कार्यकुशलता और नई तकनीक का उपयोग करते हुए नागरिकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करें। उन्होंने कहा कि सरकारी सेवा का वास्तविक उद्देश्य जनकल्याण है और प्रत्येक कर्मचारी की जिम्मेदारी है कि उसकी कार्यशैली से आम नागरिक को सुगम और प्रभावी सेवा मिले। उन्होंने कहा कि सेवा, कर्तव्य और राष्ट्रहित की भावना के साथ कार्य करते हुए युवा विकसित भारत के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

दिल्लीराजहरा (दैनंदिनी ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित किए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत दिल्ली राजहरा में विभिन्न सेवा एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बच्चों के लिए चित्रकला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत नगर पालिका उपाध्यक्ष मनोज दुबे ने विगत दिवस बच्चों को चित्रकला सामग्री प्रदान कर उन्हें इस रचनात्मक गतिविधि के लिए प्रोत्साहित किया था। आज बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों का निरीक्षण किया गया तथा प्रतिभागी बच्चों को उपहार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

इस अवसर पर बच्चों से संवाद करते हुए नगर पालिका उपाध्यक्ष मनोज दुबे ने उनसे पूछा कि "आप सभी को पता है कि यह चित्रकला कार्यक्रम क्यों आयोजित किया गया है?" बच्चों को बताया गया कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान मनाया

जा रहा है और इसी अभियान के अंतर्गत यह चित्रकला कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने बच्चों को 17 सितंबर को आयोजित "आशीर्वाद का दिया" कार्यक्रम के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के अवसर पर घर-घर दीप प्रज्ज्वलित कर शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद व्यक्त किया गया तथा नगर के विभिन्न स्थानों पर भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नगर पालिका उपाध्यक्ष मनोज दुबे, मंडल महामंत्री SMDC अध्यक्ष रमेश गुजर, शाला

प्रबंधन समिति की अध्यक्ष भारती साहू, पूर्व नेता प्रतिपक्ष बाबू छतवाल, स्वाधीन जैन, पार्षद वार्ड क्रमांक 11 निर्मल पटेल, पार्षद वार्ड क्रमांक 15 तरुण साहू, पार्षद वार्ड क्रमांक 25 प्रमोद रात्रे, जयदीप गुप्ता, आशीष लालवानी, विजय भान सिंह, मनन गुप्ता आदि पालक एवं सेजस स्कूल के शिक्षकगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें भविष्य में भी ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया गया।

:- संपादकीय :-

सुविधा का लेन-देन

इसमें दो राय नहीं कि पिछले एक दशक में यूनिकाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई देश में लेन-देन के एक लोकप्रिय और विश्वसनीय माध्यम के रूप में स्थापित हुआ है। इससे भी बढ़कर भारत की निरंतर डिजिटल होती अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ भी बना है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा जारी अध्यादेश में दो हजार रुपये से अधिक के लेन-देन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर चार्जज कारोबारियों के ऊपर लगाने की बात कही गई है। इस घोषणा ने सरल-सुलभ लेन-देन करने वाले करोड़ों उपभोक्ताओं के मन में कई सवालों को जन्म दिया है। हालांकि, राहतकारी यह है कि नोटिफिकेशन में दो हजार तक के यूपीआई लेन-देन और रुपे डेबिट कार्ड पेमेंट्स पर कोई शुल्क न लगाने की बात कही गई है। लेकिन इससे देश में अधिक मूल्य वाले यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर चार्जज लगाने का रास्ता खुल गया है। बैंकों, सेवा प्रदाता संस्थाओं व विभिन्न एसोसिएशनों के प्रतिनिधि जल्द ही दो हजार रुपये से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर शुल्क निर्धारण करेंगे। निस्संदेह किसी भी बेहतर सुविधा के लिए उपभोक्ता की भी आर्थिक जवाबदेही बनती है। उल्लेखनीय है कि साल 2016-17 में महज 0.07 लाख करोड़ रुपये के लेन-देन मूल्य से यूपीआई के जरिये 314 लाख करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ। वैसे आम उपभोक्ता पर सीधे तौर पर एमडीआर लगने का प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि देश में 96 फीसदी लेन-देन दो हजार रुपये की सीमा में ही आता है। लेकिन यदि कारोबारियों पर दो हजार से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर शुल्क लगता है तो येन-केन-प्रकारेण वे इसका बोझ उपभोक्ताओं पर डालने का ही प्रयास करेंगे। वास्तव में आज जब साइबर फ्रॉड के मामलों में लगातार अप्रत्याशित तेजी आ रही है तो हर रोज होने वाले करोड़ों डिजिटल भुगतानों की सुरक्षा करना भी जरूरी हो जाता है। विशेषकर, छोटे विक्रेताओं और आम उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निस्संदेह, सरकार का यह तर्क वाजिब है कि इतने बड़े इकोसिस्टम को हमेशा सरकारी अनुदान के भरोसे नहीं चलाया जा सकता है। यह भी हकीकत है कि सरकार को यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर लागू इसलिये करना पड़ा क्योंकि यूपीआई नेटवर्क चलाने के लिए हर साल बीस हजार करोड़ का बोझ उसे वहन करना पड़ता है। पहले सरकार ने डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए ग्राहक व पेमेंट लेने वाले व्यापारियों पर कोई फीस नहीं लगायी थी। लेकिन यूपीआई नेटवर्क के विस्तार के साथ इसे चलाने का खर्च भी लगातार बढ़ता चला गया। यूपीआई का कितनी तेजी से विस्तार हुआ, इस बात का पता इस आंकड़े से चलता है कि वर्ष 2026 के वित्तीय वर्ष में यूपीआई के जरिये हुए 24,161. 69 करोड़ लेन-देन 314 लाख करोड़ रुपये कीमत के हुए। इस बीच यूपीआई से जुड़े बैंकों की संख्या 44 से बढ़कर 703 हो गई है। देश में करीब 55 करोड़ लोग यूपीआई का उपयोग कर रहे हैं।

धनंजय राठौर

साथ ही, शासन की 50 से अधिक सेवाओं को एआई के जरिए अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। युवाओं को जॉब सीकर (नौकरी तलाशने वाला) की बजाय जॉब क्रिएटर (नौकरी पैदा करने वाला) बनाने के लिए मशीन लर्निंग और डेटा साइंस का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कृषि, स्वास्थ्य और प्रशासन में एआई का प्रयोग-इस मिशन का दायरा केवल आईटी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे धरातल पर आम जनता के जीवन को आसान बनाने के लिए उतारा जा रहा है। कृषि मौसम, फसल, कीट और रोगों के आंकड़ों के विश्लेषण से किसानों को समय पर सटीक सलाह मिल सकेगी। एआई आधारित तकनीक से जांच, रोग पहचान और स्वास्थ्य संसाधनों के प्रबंधन में सुधार होगा। सरकारी पोर्टलों (जैसे सेवा सेतु) के विस्तार और एआई के उपयोग से योजनाओं की मॉनिटरिंग और नागरिक सेवाओं को सुगम बनाया जा रहा है। वहीं उद्योगों में उत्पादकता और ऊर्जा दक्षता बढ़ेगी। कारखानों में रोबोटिक्स और मशीन लर्निंग के उपयोग से उत्पादन की गति बढ़ती है और त्रुटियाँ कम होती हैं। अकसेंसर मशीनों की स्थिति पर लगातार नजर रखते हैं और खराबी आने से पहले ही चेतावनी दे देते हैं, जिससे लागत बचती है। उद्योगों में व्यक्तिगत प्राथमिकताओं को समझने और 24७7 सहायता प्रदान करने के लिए अकसंचालित टूल का उपयोग किया जाता है। नवा रायपुर बन रहा तकनीक और एआई का नया हब-नवा रायपुर को आईटी, एआई और डाटा सेंटर के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।



दुनियाभर में तेजी से बढ़ रहे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) के दौर में छत्तीसगढ़ भी अब एक नई छल्लाग लगाने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार एआई को विकास, रोजगार और सुशासन के नए अवसरों से जोड़ने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। खेती-किसानी से लेकर स्वास्थ्य, शिक्षा और प्रशासन तक हर क्षेत्र में एआई के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए राज्य में बड़े पैमाने पर तैयारियां शुरू हो गई हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और जनसेवा के विभिन्न क्षेत्रों में एआई के प्रभावी उपयोग से रोजगार और नवाचार के नए अवसर सृजित करते हुए हम विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए पूरी तरह संकल्पित हैं।

500 करोड़ रुपये का मुख्यमंत्री एआई मिशन-भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 500 करोड़ रुपये के मुख्यमंत्री एआई मिशन की शुरुआत की है। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ को केवल एआई तकनीक अपनाने वाला राज्य नहीं, बल्कि इसके उपयोग और नवाचार में सिरमौर बनाना है। इस मिशन के

तहत प्रदेश में 100 एआई लैब और 5 सेंटर ऑफ़ एकसीलेंस विकसित किए जाएंगे और डेढ़ लाख शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों को एआई के उपयोग से जोड़ा जाएगा। साथ ही, शासन की 50 से अधिक सेवाओं को एआई के जरिए अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। युवाओं को जॉब सीकर (नौकरी तलाशने वाला) की बजाय जॉब क्रिएटर (नौकरी पैदा करने वाला) बनाने के लिए मशीन लर्निंग और डेटा साइंस का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कृषि, स्वास्थ्य और प्रशासन में एआई का प्रयोग-इस मिशन का दायरा केवल आईटी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे धरातल पर आम जनता के जीवन को आसान बनाने के लिए उतारा जा रहा है। कृषि मौसम, फसल, कीट और रोगों के आंकड़ों के विश्लेषण से किसानों को समय पर सटीक सलाह मिल सकेगी। एआई आधारित तकनीक से जांच, रोग पहचान और स्वास्थ्य संसाधनों के प्रबंधन में सुधार होगा। सरकारी पोर्टलों (जैसे सेवा सेतु) के विस्तार और एआई के उपयोग से योजनाओं की मॉनिटरिंग और नागरिक सेवाओं को सुगम बनाया जा रहा है। वहीं उद्योगों में उत्पादकता

और ऊर्जा दक्षता बढ़ेगी। कारखानों में रोबोटिक्स और मशीन लर्निंग के उपयोग से उत्पादन की गति बढ़ती है और त्रुटियाँ कम होती हैं। अकसेंसर मशीनों की स्थिति पर लगातार नजर रखते हैं और खराबी आने से पहले ही चेतावनी दे देते हैं, जिससे लागत बचती है। उद्योगों में व्यक्तिगत प्राथमिकताओं को समझने और 24७7 सहायता प्रदान करने के लिए अकसंचालित टूल का उपयोग किया जाता है।

नवा रायपुर बन रहा तकनीक और एआई का नया हब-नवा रायपुर को आईटी, एआई और डाटा सेंटर के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहाँ लगभग 1 हजार करोड़ रुपये के निवेश से एआई आधारित डाटा सेंटर और एआई एसइजेड विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा, नवा रायपुर में करीब 200 करोड़ रुपये की लागत से नेशनल स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की स्थापना का निर्णय लिया गया है। एनआईटी रायपुर और डिप्रल आईटी (नवा रायपुर में एआई सेंटर ऑफ़ एकसीलेंस के माध्यम से खनन, इस्पात, स्वास्थ्य, कृषि और स्मार्ट गवर्नेंस जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान और स्टार्टअप को बढ़ावा मिल रहा है, जिससे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए उच्च तकनीक आधारित रोजगार के नए द्वार खुल रहे हैं।नवा रायपुर में देश का पहला एआई आधारित डेटा सेंटर- नवा रायपुर अटल नगर में देश का पहला एआई आधारित डेटा सेंटर सेक्टर-22 में 13.5 एकड़ में विकसित हो रहा यह प्रोजेक्ट न केवल प्रदेश की पहचान को नई ऊँचाई देगा, बल्कि आम जनता के लिए भी बड़े बदलाव लेकर आएगा। प्रदेश के युवाओं को बेहतर करियर के लिए बड़े शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा। इसके साथ ही एआई तकनीक का फायदा किसानों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को भी मिलेगा। डिजिटल सेवाएं मजबूत होने से शिक्षा, स्वास्थ्य और सरकारी योजनाओं का लाभ दूरदराज के क्षेत्रों तक आसानी से पहुंच सकेगा।

ज्योतिष

धर्म

-धर्म- संस्कृति

अजय दीक्षित

इसरो का बदलता स्वरूप और वैज्ञानिकों की आशंकाएं

इसरो में निजीकरण की आशंकाओं से कर्मचारियों में चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। वहीं यह राजनीतिक मुद्दा भी बन गया। दरअसल नोडल एजेंसी इन-स्पेस के प्रमुख के बयानों के बाद कर्मचारी संघों ने इसरो की भविष्य की भूमिका, भर्ती और नौकरी सुरक्षा पर सवाल उठाए। यह भी कि क्या एजेंसी अंततः सिर्फ आरएंडडी संस्थान बनकर रह जाएगी, जबकि लांच व्हीकल और इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण, टेस्टिंग और ऑपरेशन बाहर चला जाएगा। इस पर इसरो चेयरमैन ने भरोसा दिया कि संगठन का निजीकरण नहीं होगा। दरअसल, नीतिगत उद्देश्य निजी भागीदारी बढ़ाकर भारत के अंतरिक्ष इकोसिस्टम और स्पेस इकोनॉमी का विस्तार करना है, जबकि इसरो रिसर्च और रणनीतिक मिशनों का नेतृत्व करता रहेगा।भारत को अंतरिक्ष में ऊंचाइयों पर ले जाने वाले भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, इसरो में इन दिनों काफी बेचैनी और अनिश्चितता का माहौल है। जो निजीकरण की चिंताओं से उपजा है। इसरो ने भारत के अग्रणी संस्थान के निजीकरण की आशंकाओं को दूर करने की कोशिश की है और कहा है कि अंतरिक्ष एजेंसी की भूमिका कम नहीं होगी। इसरो का यह स्पष्टीकरण संस्थान के कर्मचारियों की नौ एसोसिएशनों द्वारा पूछे गए सवालों के बाद आया है। ये संघ जानना चाहते हैं कि निजी क्षेत्र को बढ़ावा देने से इसरो के मौजूदा मुख्य कार्यों,कर्मचारियों और भर्ती पर क्या असर पड़ेगा। उनकी चिंता है कि सरकार द्वारा निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने से स्पेस एजेंसी की भूमिका कम हो सकती है।इसरो के चेयरमैन वी.नारायणन ने कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि न तो संस्थान का निजीकरण होगा और न ही भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में इसका महत्व कम होगा। एजेंसी एक सरकारी संगठन बना रहेगा और प्राइवेट कंपनियों व स्टार्टअप की बढ़ती भागीदारी का मकसद इसरो की जिम्मेदारियों को कम करना नहीं, बल्कि भारत के स्पेस इकोसिस्टम का विस्तार करना है। स्पष्टीकरण में कहा गया कि अंतरिक्ष एजेंसी एडवांस्ड स्पेस रिसर्च, रणनीतिक मिशन, स्पेस साइंस और नई क्षमताओं के लिए देश की मुख्य संस्था बनी रहेगी। नारायणन ने कर्मचारियों द्वारा व्यक्त की गई चिंताओं को दूर करने की कोशिश की लेकिन उन्होंने स्पेस इकोसिस्टम की बात कह कर एक तरह से इसरो में निजीकरण की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया है और उसे उचित भी बताया है नौ कर्मचारी संघों ने 4 सितंबर को नारायणन को लिखे पत्र में इसरो के मैनुफैक्चरिंग और ऑपरेशनल कार्यों को प्राइवेट संस्थाओं और पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स (पीएसयू) को सौंपने के प्रस्ताव पर अधिकारिक स्पष्टीकरण मांगा था। संघों ने इसरो की भविष्य की भूमिका पर इन बदलावों के नतीजों के बारे में भी पूछा था। कर्मचारियों की चिंता खास तौर



पर इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर (इन-स्पेस) के चेयरमैन पवन गोयनका की 21 अगस्त की टिप्पणियों से बढ़ गई है। गोयनका ने कहा था कि इसरो धीरे-धीरे प्रक्षेपण वाहनों का निर्माण बंद कर देगा और इनका प्रोडक्शन प्राइवेट कंपनियों या पीएसयू द्वारा किया जाएगा। कर्मचारियों संघों ने सवाल उठाया कि क्या गोयनका की टिप्पणियां सरकार की स्वीकृत नीति को दशाती हैं? इसके कानूनी-प्रशासनिक आधार,चरणों और मौजूदा कर्मचारियों पर पड़ने वाले असर के बारे में कोई औपचारिक जानकारी क्यों नहीं दी गई? प्रतिभाओं को बनाए रखने की चुनौती इसरो इस समय एक संवेदनशील दौर से गुजर रहा है। कुछ दिनों पहले 100 से अधिक वैज्ञानिकों के नौकरी छोड़ने की खबरें आई थीं। गगनयान जैसे अहम मिशन से जुड़े लोगों सहित कई कर्मचारियों के जाने के कारण,अंतरिक्ष विभाग ने महत्वपूर्ण परियोजनाओं से इस्तीफा देने और वीआरएस लेने से जुड़े नियमों को कड़ा कर दिया है। प्राइवेट स्पेस और एयरोस्पेस कंपनियों की ओर अनुभवी वैज्ञानिकों के जाने की खबरें भी आ रही हैं। ये कंपनियां बेहतर पद और वेतन दे सकती हैं, जिससे इसरो की अपनी तकनीकी प्रतिभा को बनाए रखने की क्षमता पर चिंता बढ़ गई है।स्पेस वैल्यू चेन में उद्योग की भूमिका संबंधी नीतिवह मामला सिर्फ प्राइवेट कंपनियों के उस सेक्टर में आने का नहीं है जहां वे पारंपरिक रूप से इसरो को पुर्जें.सप्लाई करती रही हैं। सरकार के स्पेस सेक्टर सुधार 2020 में शुरू हुए और बाद में भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 के जरिए इन्हें संस्थागत रूप दिया गया। इस नीति में इंडस्ट्री की स्पेस वैल्यू चेन में बहुत बड़ी भूमिका की परिकल्पना की गई है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के नेतृत्व वाला एक कंसोर्टियम पहले से ही इसरो का पोलर सैटेलाइट लॉच व्हीकल (पीएसएलवी) बना रहा है।

नजरिया

अनन्या मिश्रा ।

दक्षिण भारत का काशी कहलाता है रामेश्वरम

तमिलनाडु में स्थित रामेश्वरम मंदिर 12 पवित्र ज्योतिर्लिंगों में से एक है, जिसे दक्षिण भारत का काशी भी कहा जाता है। रामायण काल से जुड़े इस मंदिर में श्रीराम द्वारा स्थापित शिवलिंग की पूजा की जाती है। अनूठी मूर्तिकला और सबसे लंबे गलियारे के लिए प्रसिद्ध यह पवित्र स्थल चार प्रमुख धर्मों में शामिल है।तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले के रामेश्वरम में रामेश्वर मंदिर स्थित है। रामेश्वरम मंदिर 12 पवित्र ज्योतिर्लिंगों में से 11वें नंबर पर आता है। रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग रामेश्वरम द्वीप पर बसा है। जो उत्तर भारत में काशी की मान्यता है, वही दक्षिण में रामेश्वरम की भी है। रामेश्वरम को दक्षिण भारत का काशी भी कहा जाता है। वहीं रामेश्वरम को रामनाथस्वामी मंदिर कहा जाता है। यह मंदिर अपनी भव्य संरचना, जटिल मूर्तिकला, विशाल मीनारों और गलियारों के लिए जाना जाता है। वहीं मंदिर में पूजे जाने के भगवान लिंग के रूप में विराजमान हैं।

मंदिर में नंदी की भी बेहद विशाल मूर्ति मौजूद है, जोकि करीब 17.5 फीट ऊंची है। इस मंदिर में भगवान शिव के अलावा देवी विशालाक्षी, भगवान विनायक, भगवान मनोकामना पूरी हुई तो बढ़ता गया बोबा टी का चढ़ावा, थाईलैंड की गणेश भक्ति का अनोखा राज

भगवान गणेश की पूजा में मोदक और लड्डू का भोग भारत में बेहद आम है। थाईलैंड में गणेश भक्ति का एक ऐसा अंदाज देखने को मिला, जिसने सोशल मीडिया यूजर्स का ध्यान खींच लिया। बैंकॉक में गणेश जी की एक प्रतिमा के सामने मोदक या मिठाई की जगह बोबा मिल्क टी के कप चढ़ाए जाते नजर आए। इस अनोखी परंपरा का वीडियो सामने आने के बाद लोग इसे लेकर काफी उत्सुक हैं।

बैंकॉक में गणेश जी के सामने बोबा टी के कप-बैंकॉक के यूनियन मॉल के बाहर स्थित गणेश मंदिर के पास कई



सुबहाण्य, पर्वतवर्धिनी, उत्सव प्रतिमा, सायनागृह और पेरुमल शामिल हैं।

भक्तों के लिए बेहद खास बता दें कि यह मंदिर भगवान श्रीराम द्वारा स्थापित और भगवान भोलेनाथ की पूजा को समर्पित ज्योतिर्लिंग है। यह जगह

भगवान विष्णु और महादेव के भक्तों के लिए बेहद खास मानी जाती है। वहीं रामेश्वर ज्योतिर्लिंग हिंदू धर्म में 4 प्रमुख स्थलों में भी शामिल है।मंदिर की वर्तमान संरचना का निर्माण 17वीं शताब्दी में भारत के राजाओं ने कराया था। इसमें श्रीलंका के

राजाओं का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा था। माना जाता है कि भारत के सभी हिंदू मंदिरों की तुलना में रामेश्वरम मंदिर का गलियारा काफी ज्यादा लंबा है। वहीं इसके कुछ हिस्से हजारों साल पुराने बताए गए थे। लेकिन रामेश्वरम मंदिर का संबंध रामायण काल से है।

इस मंदिर से जुड़ी कथाओं और भारतीय महाकाव्य रामायण के मुताबिक भगवान श्रीराम ने रावण पर विजय हासिल करने के बाद प्रार्थना के लिए महादेव की पूजा करने की सोचा। इसके लिए उन्होंने हनुमान को काशी से शिवलिंग लाने का अनुरोध किया।जब हनुमान जी ने शिवलिंग को लाने में देरी की, तो माता सीता ने रेत से शिवलिंग बनाया, जिससे कि श्रीराम भगवान शिव की पूजा कर सकें। माना जाता है कि यह वहीं शिवलिंग है, जिसको रामलिंगम के नाम से भी जाना जाता है। जो अब रामनाथस्वामी में पूजा जाता है। वहीं काशी से हनुमान जी द्वारा लाए गए शिवलिंग को विश्वलिंगम कहते हैं।

वहीं इस मंदिर के अंदर 22 तीर्थम यानी की पवित्र जल निकाय हैं, जहां पर भक्त अपने पापों के प्रायश्चित के लिए नहाते हैं।

काफी अलग नजर आती है।

बताया जाता है कि इस परंपरा में भक्त अपनी इच्छा पूरी होने की कामना लेकर गणेश जी के सामने बोबा टी चढ़ाते हैं। मनोकामना पूरी होने के बाद वे दोबारा मंदिर पहुंचकर बोबा टी अर्पित करते हैं। कुछ रिपोटर्स में चढ़ावे के कप की संख्या बढ़ने की बात भी सामने आई है। एक भक्त द्वारा 200 तक कप चढ़ाने का दावा भी किया गया है।बोबा टी थाईलैंड में बेहद लोकप्रिय पेय है। ऐसे में भक्त अपनी पसंद की इस चीज को भगवान को अर्पित करते हैं। यह उदाहरण दिखाता है कि धार्मिक आस्था जब अलग-अलग संस्कृतियों तक पहुंचती है, तो उसके तौर-तरीकों में स्थानीय रंग भी शामिल हो सकता है।



बोबा टी के कप दिखाई दे रहे हैं। बताया गया कि भक्त मनोकामना लेकर यहां आते हैं और गणेश जी के सामने बोबा टी चढ़ाते हैं। कुछ भक्त एक साथ कई

कप भी लेकर पहुंचते हैं। भारत में गणेश पूजा के दौरान जहां मोदक और लड्डू प्रमुख भोग माने जाते हैं, वहीं बैंकॉक में स्थानीय संस्कृति से जुड़ी यह परंपरा

सावर्जनिक स्थानों पर शराबखोरी एवं अवैध चखना सेंटरों पर चला पुलिस का चाबुक

कबीरधाम पुलिस की नशे के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही, एक ही रात में 40 आबकारी प्रकरण दर्ज

कवर्धा (दैर्नदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम जिले के नए पुलिस कप्तान जितेन्द्र कुमार यादव ने जब से पदभार संभाला है ,,तब से नशे के विरुद्ध एवम विभिन्न मामलों में कार्यवाहियों का दौर लगातार जारी है। उनके निर्देशन में थाना सिटी कोतवाली सहित विभिन्न थाना क्षेत्रों में एक ही रात 40 आबकारी प्रकरण दर्ज किये गये जिसमें सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करने तथा अवैध रूप से शराब पिलाने की सुविधा उपलब्ध कराने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई । 18 सितंबर को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में विशेष कार्यवाही करते हुए आबकारी अधिनियम के तहत कुल 40 प्रकरण दर्ज किए गए।

सिटी कोतवाली पुलिस की बड़ी कार्यवाही — एक ही रात में 30 आबकारी प्रकरण

थाना सिटी कोतवाली, कबीरधाम में थाना प्रभारी निरीक्षक लालजी सिन्हा के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा दिनांक 18 सितंबर

को सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करने एवं अवैध रूप से शराब पिलाने की सुविधा उपलब्ध कराने वालों के विरुद्ध व्यापक कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान आबकारी अधिनियम की धारा 36(च)(1) एवं 36(सी) के तहत कुल 30 प्रकरण दर्ज किए गए।

सिटी कोतवाली के अपराध क्रमांक 373/26 में कमलेश पिता हेमलाल साहू, उम्र 24 वर्ष, निवासी खैरना कला, थाना कवर्धा के विरुद्ध धारा 36(सी) के तहत कार्यवाही की गई। आरोपी द्वारा अवैध धन अर्जित करने की नियत से लोगों को शराब पिलाने की सुविधा उपलब्ध कराना पाया गया। उक्त कार्यवाही सरोधा डेम के पास, कवर्धा में की गई।

इसी प्रकार सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करते पाए जाने पर धारा 36(च)(1) के तहत राजकुमार पिता मूलचंद सत्यवंशी, धनेश्वर पिता रामजी धुर्वे, अनिल पिता इश्वरी नेताम, रामचंद्र पिता पंचुराम धुर्वे,



राजेश पिता संतालाल पारधी, अमर पिता पीतांबर पटेल, राजेश पिता सुंदरलाल पटेल,

साहेबदास पिता कन्हैया पटेल, ज्ञानदास पिता अमरदास कुरें, नरेश पिता तिलकराम साहू, संजय पिता जैतराम गंधर्व, नरेश पिता राजाराम पटेल, जितेन्द्र पिता दशरू पटेल, दुर्गेश पिता झाडीराम पटेल, दीपक पिता मोतीलाल पटेल, रज्जू पिता नरेश पटेल, सुंदर पिता राजकुमार डिंडोरे, मुरली पिता जीवराखन चंद्राकर, जितेन्द्र पिता जगदीश साहू, महेश पिता रमेश साहू, राज पिता द्वारका चौहान, आसिफ पिता राज मोहम्मद, कुलेश्वर पिता दशरथ मेहर, नरेन्द्र पिता पुरुषोत्तम लहरे, दीपक पिता प्रकाश राजपूत, सुखीराम पिता फेकूराम पटेल, इफ्तखार पिता रफीक खान, तुलाराम पिता शंकर खुशाम एवं सजू पिता स्व. नंदलाल यादव के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई। इन प्रकरणों में कार्यवाही रायपुर रोड, नया बस स्टैंड, छिरहा रोड, राजनांदगांव रोड, शमशान घर के पीछे समनपुर एवं ट्रांसपोर्ट नगर सहित विभिन्न स्थानों पर की गई।

रेंगाखार पुलिस — सार्वजनिक स्थान पर

शराब सेवन करने पर कार्यवाही- थाना रेंगाखार पुलिस द्वारा दिनांक 18 सितंबर को संगम चौक रेंगाखार में सार्वजनिक स्थान पर शराब सेवन करते पाए जाने पर आबकारी अधिनियम की धारा 36(च)(1) के तहत अपराध क्रमांक 19/26 दर्ज किया गया। मामले में चिताराम पिता सहदेव यादव, उम्र 21 वर्ष, निवासी बमहनी, थाना रेंगाखार के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई। जपती निरंक रही।

पिपरिया पुलिस — शराबखोरी एवं अवैध रूप से शराब पिलाने वालों पर 06 प्रकरण- थाना पिपरिया पुलिस द्वारा दिनांक 18 सितंबर को आबकारी अधिनियम के तहत कुल 06 प्रकरण दर्ज किए गए। इनमें सार्वजनिक स्थान पर शराब सेवन करने के मामले में धारा 36(च)(1) के तहत हुकुमचंद पिता अजित साहू, निवासी दुबहा, थाना पिपरिया एवं सुदर्शन पिता मालिकराम चंद्रवंशी, निवासी नवघटा, थाना पिपरिया के विरुद्ध कार्यवाही की गई।

आकर्षक पण्डाल स्वच्छता विशेष पूजा व झांकी अनुशासन के लिए डिप्टी सीएम अरूण साव ने समितियों के लिए रखा पुरस्कार



लोरमी (दैर्नदिनी ब्यूरो)। प्रथम पुज्य भगवान श्री गजानन स्वामी का 11 दिवसीय पर्व पूरे अंचल में धुमधाम से मनाया जा रहा है इसी तारतम्य में लोरमी क्षेत्र में जगह- जगह समितियों के द्वारा आकर्षक पण्डाल के साथ आंखों को मनमोह लेने वाले आकर्षक श्री गजानन स्वामी जी की बड़ी से छोटी मूर्तियों का समितियों के द्वारा विधि विधान के साथ मूर्ति स्थापित कर पुजा अर्चना किया जा रहा है। डिप्टी सीएम अरूण साव के द्वारा धार्मिक आयोजन व समितियों के उत्साहवर्धन के लिए समितियों के लिए ईनाम की राशि की घोषणा किये जिसमें पण्डाल, पण्डाल के आसपास सफाई, पण्डाल का संदेश पूर्ण स्वरूप, पुजा पद्धति एवं अनुशासन को देखते हुए दिया जाएगा। इस वर्ष भी 24 सितम्बर को शाम 6 बजे से गणेश झांकी प्रतियोगिता होगी जिसमें लोरमी विधायक, उप मुख्यमंत्री अरुण साव उपस्थित होकर सभी गणेश समितियों का स्वागत और उत्साहवर्धन करेंगे। वही जनप्रतिनिधियों, भाजपा युवा मोर्चा के द्वारा आयोजन में शामिल होने के लिए समितियों का पंजीयन किये।

विद्युत व्यवस्था में बड़ी सौगात नवीन ग्रामीण जोन की मंजूरी

लोरमी (दैर्नदिनी ब्यूरो)। उपमुख्यमंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक अरुण साव के प्रयासों से लोरमी क्षेत्र को विद्युत व्यवस्था के क्षेत्र में बड़ी सौगात मिली है। लोरमी में नवीन ग्रामीण विद्युत जोन बनाए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके साथ ही अब लोरमी क्षेत्र में दो विद्युत जोन कार्यशील होंगे, जिसमें लोरमी ग्रामीण जोन एवं लोरमी नगर जोन शामिल हैं। नवीन ग्रामीण जोन के गठन से लोरमी विकासखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था का संचालन और प्रबंधन अधिक व्यवस्थित तरीके से किया जा सकेगा। वहीं नगर क्षेत्र के लिए लोरमी नगर जोन अलग से कार्य करेगा। इससे ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों की विद्युत संबंधी समस्याओं के निराकरण में तेजी आने तथा उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं उपलब्ध होंगी। नवीन लोरमी ग्रामीण जोन की स्वीकृति के साथ ही दोनों जोन के लिए कर्मचारियों के पदों की भी पृथक-पृथक स्वीकृति प्रदान की गई है। इससे विद्युत विभाग को दोनों क्षेत्रों में आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध होंगे और बिजली से जुड़े कार्यों की निगरानी एवं संचालन को बेहतर ढंग से किया जा सकेगा। क्षेत्रवासियों के अनुसार लंबे समय से ग्रामीण क्षेत्रों में अलग विद्युत जोन की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। क्षेत्रवासियों ने इस पहल के लिए उपमुख्यमंत्री अरुण साव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे लोरमी के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

रक्तदान शिविर का सफल आयोजन – 28 यूनिट रक्तदान बेमेतरा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर स्वेच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया, जिसमें 28 यूनिट रक्तदान हुआ। यह रक्तदान शिविर कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा मगगाई के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शरद कोहाड़े और सिविल सर्जन डॉ. लोकेश साहू के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में माननीय विधायक बेमेतरा दीपेश साहू जी, साजा विधानसभा क्षेत्र के विधायक माननीय ईश्वर साहू जी, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा जी, रायपुर जिला प्रभारी राजेंद्र शर्मा जी, नगर पालिका सीएमओ नरेश कुमार वर्मा, पार्षद सुश्री नीतू कोठारी, पार्षद सुश्री सिमरन ताक्कार, डॉ. विनय साहू, पार्षद निखिल साहू युवा मोर्चा सहित सभी सम्मानित जन उपस्थित रहे।

गांव से शहर तक जनभागीदारी से हुआ श्रमदान

-विकाश शुक्ला

कवर्धा (दैर्नदिनी ब्यूरो)। सेवा संकल्प अभियान एवं 'स्वच्छता ही सेवा-' के अंतर्गत कबीरधाम जिले के चारों विकासखंड कवर्धा, सहसपुर लोहारा, पंडरिया और बोड़ला के ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकाय क्षेत्रों में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों, स्वच्छता दीर्दियों, स्व-सहायता समूह की महिलाओं और ग्रामीणों ने बड़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए श्रमदान किया। सार्वजनिक एवं शासकीय स्थलों की साफ-सफाई कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। **उडियाकला में जिला पंचायत सीईओ ने किया श्रमदान, सप्ताह में एक दिन स्वच्छता के लिए समय देने की अपील** जनपद पंचायत सहसपुर लोहारा अंतर्गत ग्राम पंचायत उडियाकला के बाजार स्थल में स्वच्छता अभियान के तहत श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जिला पंचायत

के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक अग्रवाल, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शिव कुमार साहू, जिला समन्वयक, जिला सलाहकार, विकासखंड समन्वयक, स्वच्छता दीर्दियों, स्व-सहायता समूह की महिलाएं एवं ग्रामीणजन शामिल हुए।

जिला पंचायत सीईओ अभिषेक अग्रवाल ने श्रमदान करते हुए ग्रामीणों को सप्ताह में कम से कम एक दिन अपने गांव और आसपास के सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता के लिए श्रमदान करने प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण स्वस्थ जीवन का आधार है। गंदगी से अनेक बीमारियां फैलती हैं, इसलिए सभी नागरिक अपने घर, गांव और आसपास के स्थानों को स्वच्छ रखने में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने ग्राम में संचालित डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था की भी जानकारी ली और नियमित कचरा संग्रहण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

गांव-गांव में श्रमदान, सार्वजनिक

स्वच्छ वातावरण स्वस्थ जीवन का आधार है : अभिषेक अग्रवाल



स्थलों की हुई सफाई 'स्वच्छता ही सेवा-2026' के तहत जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में साप्ताहिक

स्वच्छता अभियान चलाया गया। ग्राम पंचायत सिल्हाटी, बांधा और रेंगाखारकला में ग्रामीणों एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने

सार्वजनिक एवं शासकीय स्थलों की सफाई की। ग्राम पंचायत पलानसरी में भी स्वच्छता अभियान चलाकर आसपास के क्षेत्रों को

साफ किया गया। इसी तरह ग्राम पंचायत कुई में स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत साफ-सफाई एवं श्रमदान किया गया। बोड़ला विकासखंड के ग्राम पंचायत ढोलबज्जा, खमरिया, ऊसरवाही, पेंडरीकला, झारियाकला, तालपुर, दोरली, बोदाकला, रेहुटा खुर्द और बिरकोला सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों में भी ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया।

जनभागीदारी से स्वच्छता का संकल्प अभियान के दौरान ग्रामीणों ने सार्वजनिक स्थानों, बाजार क्षेत्रों, पंचायत परिसरों और आसपास के स्थलों की साफ-सफाई की। लोगों को गीले एवं सूखे कचरे के उचित प्रबंधन, नियमित कचरा संग्रहण तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया। सेवा संकल्प अभियान और 'स्वच्छता ही सेवा' के माध्यम से जिले में स्वच्छता के साथ जनभागीदारी और श्रमदान की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।

शिक्षक केवल पाठ नहीं पढ़ाते, वे भविष्य की नींव गढ़ते हैं : दीपक ठाकुर

कामठी में SBI लाइफ एवं मुनमुना संकुल के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित

पं ड र ि य / क व र्धा (दैर्नदिनी ब्यूरो)। शिक्षक वह दीप है, जो स्वयं प्रकाशमान रहकर समाज की आने वाली पीढ़ियों के जीवन को ज्ञान और संस्कारों के प्रकाश से আলোকित करता है। इसी भावना के साथ शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कामठी में SBI लाइफ एवं संकुल केंद्र मुनमुना के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षक सम्मान समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विकासखंड शिक्षा अधिकारी दीपक ठाकुर रहे।

कार्यक्रम में SBI लाइफ के डिवीजनल मैनेजर संजय सिंह, वित्तीय सलाहकार राजेश कुमार



माखीजानी एवं चीफ बिजनेस मैनेजर हेमंत देवांगन विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती हेमलता टंडन ने की, जबकि संचालन संकुल समन्वयक रघुनन्दन गुप्ता ने किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति तथा महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के

छायाचित्र पर पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। अतिथियों के स्वागत के पश्चात शिक्षक दिवस की भावना को समर्पित उद्बोधनों का क्रम प्रारंभ हुआ।

शिक्षक शिक्षा के स्तर को नहीं, पूरी पीढ़ी के भविष्य को ऊंचा करते हैं

मुख्य अतिथि विकासखंड शिक्षा अधिकारी दीपक ठाकुर ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में

कहा कि शिक्षक केवल बच्चों को किताबों का ज्ञान नहीं देते, बल्कि उनके व्यक्तित्व, संस्कार, सोच और भविष्य का निर्माण करते हैं। शिक्षक ही शिक्षा के स्तर को उच्चतम ऊंचाई तक ले जाने की क्षमता रखते हैं।

उन्होंने कहा कि शिक्षक का पद केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि समाज निर्माण का महान दायित्व है। sbi लाइफ के डिवीजनल मैनेजर संजय सिंह ने शिक्षकों को समाज का नेतृत्व कर्ता एवम परिश्रमी वर्ग बताते हुवे कहा कि आज वे जिस मुकाम पर हैं, '-उसमें शिक्षकों के मार्गदर्शन का महत्वपूर्ण योगदान है उन्होंने सभी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर शिक्षा संकुल एवम sbi लाइफ द्वारा सभी उपस्थित शिक्षकों को फाइल, लेखनी,नारियल एवम प्रशंसा पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में संकुल केंद्र मुनमुना के अंगरंगत आने सभी शालाओं के शिक्षक उपस्थित थे।

सेवा संकल्प अभियान में बच्चों की रचनात्मक अभिव्यक्ति से गुंजा विकसित भारत का संदेश

रायपुर ■ दैर्नदिनी

‘सेवा संकल्प अभियान’ के अंतर्गत गौरेला पेन्ड्रा मरवाही जिले में विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा, जनजागरूकता और राष्ट्र निर्माण की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। अभियान के तहत विद्यार्थियों ने कला, अभिनय और अभिव्यक्ति के माध्यम से विकसित भारत की अपनी कल्पना को प्रस्तुत किया। जिले के गौरेला स्थित रानी दुर्गावती चौराहा के पास दुर्गाईआई गौरेला एवं कस्तूर गांधी आवासीय विद्यालय की बालिकाओं द्वारा नुक्कड़ नाटक और रंगोली के माध्यम से जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं ‘पच्चीस करोड़ बच्चों के सपनों का भारत’ थीम के तहत जिले के शासकीय एवं निजी सहित

सभी 905 विद्यालयों में ड्राईंग एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

रानी दुर्गावती चौराहा में आयोजित नुक्कड़ नाटक में बालिकाओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा भाव, नमो गाथा तथा देश को समृद्ध, सशक्त और मजबूत राष्ट्र बनाने में युवा शक्ति की भूमिका को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने यह संदेश दिया कि देश के विकास में युवाओं की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है और शिक्षा, कौशल, मेहनत तथा नवाचार के माध्यम से युवा राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

नुक्कड़ नाटक में युवाओं को आत्मनिर्भर बनने, स्वरोजगार के अवसरों का लाभ उठाने तथा अपनी क्षमता और कौशल के अनुरूप आर्थिक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया।



प्रधानमंत्री मुद्रा योजना एवं मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश भी दिया गया।

जनजागरूकता कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने, पानी एवं बिजली की बचत करने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाने का

संदेश दिया। नाटक के माध्यम से मेहनत, लगन, अनुशासन, एकता और भाईचारे जैसे मूल्यों को भी प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया गया। रंगोली के माध्यम से भी सामाजिक सरोकारों, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्र निर्माण से जुड़े संदेशों को आकर्षक रूप में प्रदर्शित किया गया। रंगों और रचनात्मक आकृतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने समाज को

संदेश दिया। नाटक के माध्यम से मेहनत, लगन, अनुशासन, एकता और भाईचारे जैसे मूल्यों को भी प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया गया। रंगोली के माध्यम से भी सामाजिक सरोकारों, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्र निर्माण से जुड़े संदेशों को आकर्षक रूप में प्रदर्शित किया गया। रंगों और रचनात्मक आकृतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने समाज को

नवाचार, कौशल विकास, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सहभागिता की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए।

प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों की कल्पनाओं में ऐसा भारत दिखाई दिया, जो स्वच्छ, शिक्षित, आत्मनिर्भर, तकनीकी रूप से सक्षम और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील हो। बच्चों ने अपने चित्रों और विचारों के माध्यम से आधुनिक सुविधाओं के साथ प्रकृति संरक्षण, सामाजिक सद्भाव और समान अवसरों वाले भारत की परिकल्पना प्रस्तुत की।

इन गतिविधियों ने विद्यार्थियों को केवल प्रतियोगिता का मंच ही नहीं दिया, बल्कि उन्हें अपने विचारों को सार्वजनिक रूप से व्यक्त करने और राष्ट्र के भविष्य को लेकर अपनी कल्पना साझा करने का अवसर भी प्रदान किया।

राहुल द्रविड़ के बेटे ने 211 के स्ट्राइक रेट से ठोके रन U19 डेब्यू पर आर्यवीर सहवाग ने भी लगाए 5 चौके

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम का भारत दौरा शुरू हो गया है। पहला यूथ वनडे मैच शुक्रवार (18 सितंबर) को खेला गया, जिसमें वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर और राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय ने डेब्यू किया। इस मैच में आर्यवीर सहवाग ने पारी की शुरुआत की, वहीं अन्वय द्रविड़ छठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे। ओपनिंग करने उतरे आर्यवीर को इस मुकाबले में अच्छी शुरुआत जरूर मिली लेकिन इसे वो बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर पाए। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय ने अंत में फिनिशर की भूमिका निभाई।

इंडिया की अंडर-19 टीम इस समय राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम के सीरीज खेल रही है। इस सीरीज के पहले मैच में बारिश आ गई थी, जिसकी वजह से मैच 20-20 ओवर का



खेला गया। आर्यवीर सहवाग पहली बार इंडिया अंडर-19 टीम की तरफ से खेलने उतरे और ओपनिंग करने आए। ओवर कम होने के कारण उन पर शुरू से ही तेजी से रन बनाने का दबाव था। उन्होंने तेजी से खेलने की कोशिश भी की, लेकिन वह कोई बड़ी पारी नहीं बना सके। 18 साल के आर्यवीर ने 26 गेंदों

पर 28 रनों की पारी खेली और इस दौरान 5 चौके लगाए। उनका स्ट्राइक रेट इस दौरान 107.69 का रहा।

राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने छठे नंबर पर उतरकर तेजी से रन बनाए। उन्होंने सिर्फ 18 गेंदों में 38 रन ठोक दिए, जिसमें 2 चौके और 3 छक्के

शामिल थे। 17 साल के अन्वय ने बहुत आक्रामक बल्लेबाजी की और उनका स्ट्राइक रेट 211.11 का रहा। आखिर में एली ब्रेन ने उन्हें बोल्ड कर दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंडिया अंडर-19 की टीम 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 182 रन बनाने में कामयाब रही।

टारगेट का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम को उनके ओपनिंग बल्लेबाजों ने बहुत अच्छी शुरुआत दिलाई। टीम के टॉप चार में से तीन बल्लेबाजों ने 40 या उससे ज्यादा रन बनाए। कप्तान जैक कॉजनेक ने सिर्फ 27 गेंदों में 55 रन की तेज तर्रार पारी खेली, जिसमें उन्होंने छह चौके और तीन छक्के लगाए। ऑस्ट्रेलिया की जीत के लिए आखिरी 11 गेंदों में 24 रन चाहिए थे। ऐसे में कॉजनेक ने लगातार तीन चौके मारकर मैच को बेहद रोमांचक बना दिया।

शैफाली वर्मा ने रचा इतिहास, WT20I में एक कैलेंडर ईयर में सबसे छक्के लगाने वाली भारतीय बल्लेबाज बनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियन गेम्स 2026 में वुमेंस क्रिकेट कंपीटिशन का चौथा क्वार्टर फाइनल मैच भारत और जापान की महिला टीम के बीच खेला गया। इस मैच में भारतीय महिला टीम ने 8 विकेट से बड़ी जीत दर्ज की। इस मैच में शैफाली वर्मा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 15 बॉल पर 40 रन की तूफानी पारी खेली। इस पारी के दौरान एक खास रिकॉर्ड लिस्ट में उन्होंने भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। शैफाली अब वुमेंस T20I में एक कैलेंडर ईयर में दूसरी सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं। भारतीय बल्लेबाजों की इस लिस्ट में वह टॉप पर पहुंच गई हैं।

शैफाली वर्मा इस खास लिस्ट में पहुंची दूसरी नंबर पर
महिला टी-20 इंटरनेशनल में एक साल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में



शेफाली वर्मा ने अपनी ही कप्तान हरमनप्रीत कौर को पीछे छोड़ दिया है। हरमनप्रीत ने साल 2018 में 25 छक्के लगाए थे, जबकि शेफाली ने साल 2026

में 26 छक्के लगाकर उनका यह रिकॉर्ड तोड़ दिया। खास बात यह है कि शेफाली ने औसतन हर 17वॉ गेंद पर एक छक्का लगाया है, जो दिखाता है कि वह

कितनी विस्फोटक बल्लेबाजी कर रही हैं। अब इस लिस्ट में भारत की तरफ से सबसे आगे शेफाली ही हैं और दुनिया में उनसे आगे सिर्फ श्रीलंका की चमारी अदुटापट्टू हैं। उन्होंने 2024 में 32 छक्के लगाए थे।
इस साल T20I में 700+ रन बना चुकी हैं शैफाली
एशिया कप के दौरान शैफाली वर्मा भारत के लिए WT20I में एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा रन बनानी वाली बल्लेबाज बनी थी। ये उपलब्धि उन्होंने एशिया कप के फाइनल मैच में 68 रन की पारी खेलकर हासिल की थी। इस मामले में भी उन्होंने हरमनप्रीत कौर को पीछे छोड़ा था। हरमनप्रीत ने साल 2018 में 663 रन बनाए थे। वहीं साल 2026 में शैफाली टी20 इंटरनेशनल में 700 से अधिक रन बना चुकी हैं। अब उनके निशाने पर स्मृति मंधाना का रिकॉर्ड है, जिन्होंने 2024 में 763 रन बनाए थे।

वनडे सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका के स्कवॉड से बाहर हुए लुंगी एनगिडी, 20 साल के खिलाड़ी को मिली जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया की टीम जल्द ही तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका का दौरा करेगी। इस सीरीज के शुरू होने से पहले साउथ अफ्रीका की टीम को एक बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से इस सीरीज से अपना नाम वापस ले लिया है। उनकी जगह साउथ अफ्रीका के स्कवॉड में 20 साल के नकोबानी मोकोएना को शामिल किया गया है। तीन मैचों की सीरीज का पहला मैच 24 सितंबर को डरबन में खेला जाएगा। लुंगी एनगिडी को पिछले

हफ्ते टाइटन्स और डॉल्फिन के बीच हुए डोमैस्टिक फर्स्ट क्लास मैच के दौरान दाहिने पैर की मांसपेशियों (हैमस्ट्रिंग) में खिंचाव आ गया था। बुधवार को हुए स्कैन से पता चला है कि उन्हें ठीक होने के लिए कुछ समय आराम और रिहैब की जरूरत होगी। एनगिडी से पहले साउथ अफ्रीका के दो और तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा और ओटनील बार्टमैन चोट की वजह से इस वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। लुंगी एनगिडी की जगह 20 साल के तेज गेंदबाज एनकोबानी मोकोएना को वनडे टीम में शामिल किया गया है, जिन्होंने हाल ही में नामीबिया दौर

पर अपना पहला वनडे मैच खेला था। मोकोएना घरेलू मैच में डॉल्फिन टीम की तरफ से खेल रहे थे, जहां उन्होंने पहले दिन 19 ओवर में 78 रन देकर 1 विकेट लिया। हालांकि वनडे सीरीज की तैयारियों के लिए उन्हें उस मैच से बीच में ही वापस बुला लिया गया और उनकी जगह बयांदा मजोला को मैच में शामिल किया गया। अब वनडे सीरीज में साउथ अफ्रीका की तेज गेंदबाजी की कमान मार्को जानसेन संभालेंगे। इनके अलावा कार्बिन बॉश, गेराल्ड कोएट्जी और क्वेना मफाका भी तेज गेंदबाज के रूप में टीम में शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने 2 साल बाद जीती सीरीज

दूसरे वनडे में कंगारू आलराउंडर ने तोड़ 24 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मैच जिम्बाब्वे के हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेला गया। इस मैच में 84 रनों से जीत दर्ज करने के साथ ही ऑस्ट्रेलिया इस सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल करने में कामयाब रहा।

इसके साथ ही आपको बता दें कि 2 साल बाद ऑस्ट्रेलिया ने विदेश में कोई वनडे सीरीज जीती है। इससे ठीक पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम को पाकिस्तान और बांग्लादेश में शिकस्त मिली थी।

इस सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला रविवार, 20 सितंबर को खेला जाएगा।



ऑस्ट्रेलिया की तरफ से ट्रेविस हेड ने लगाया शतक

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया की टीम ने 50 ओवर में 6 विकेट खोकर 356 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया को उसके कप्तान मिचेल मार्श (53 रन) और ट्रेविस हेड ने बेहतरीन शुरुआत दिलाई और दोनों ने

मिलकर पहले विकेट के लिए 130 रन जोड़े। ट्रेविस हेड ने धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 84 गेंदों में 112 रन की पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 15 चौके और 3 छक्के लगाए। मिडिल ऑर्डर में ओलिवर पीक ने भी तेजी से नाबाद 41 रन बनाए, जबकि बाकी बल्लेबाजों ने छोटे-छोटे योगदान दिए, जिसकी बदौलत ऑस्ट्रेलिया बड़े स्कोर तक पहुंच सका।

जिम्बाब्वे की बल्लेबाजी इस मुकाबले में रही फ्लॉप
357 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की पूरी टीम 48.3 ओवरों में 272 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम के ओपनर्स और मिडिल ऑर्डर बल्लेबाजों को अच्छी शुरुआत तो मिली, लेकिन कोई भी खिलाड़ी बड़ा स्कोर नहीं बना सका। कप्तान सिकंदर रजा ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 45 रन

बनाए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से गेंदबाजी में जोश हेजलवुड, कुपर कोनॉली, एडम जम्पा और मैट रेंशॉन ने 2-2 विकेट लिए, जबकि नाथन एलिस और ओलिवर पीक को 1-1 सफलता मिली।

24 साल पुराना रिकॉर्ड
ऑस्ट्रेलियाई आलराउंडर ओलिवियर पीक ने मैच में एक विकेट हासिल करके 24 साल पुराना एक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने ब्रैंडन टेलर को आउट किया, जो इस मैच में उनका एकमात्र विकेट था। इस विकेट के साथ ही वह वनडे (ODI) क्रिकेट में विकेट लेने वाले सबसे युवा ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर बन गए हैं। पीक ने यह उपलब्धि 20 साल और 7 दिन की उम्र में हासिल की, जिसके साथ ही उन्होंने साल 2002 में बना नाथन हॉरिज्ज का पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

1 अक्टूबर से महंगी हो जाएंगी Tata Motors की गाड़ियां कंपनी ने किया 1% तक कीमत बढ़ाने का ऐलान

मुंबई (एजेंसी)। टाटा मोटर्स की गाड़ी खरीदने की तैयारी कर रहे ग्राहकों के लिए जरूरी खबर है। कंपनी ने 1 अक्टूबर 2026 से अपनी कमर्शियल व्हीकल रेंज की कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। बढ़ी हुई कीमतों का असर मॉडल और वैरिएंट के हिसाब से अलग-अलग होगा। कंपनी के मुताबिक, यह फैसला बढ़ती क्मोडिटी और अन्य इनपुट लागत के असर को कम करने के लिए लिया गया है।

टाटा मोटर्स ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि 1 अक्टूबर 2026 से उसकी कमर्शियल व्हीकल रेंज की कीमतें 1% तक बढ़ाई जाएंगी। हालांकि, हर गाड़ी की कीमत में एक जैसी बढ़ोतरी नहीं होगी। कीमत में

कितना इजाफा होगा, यह मॉडल और वैरिएंट पर निर्भर करेगा। यानी टाटा की कमर्शियल गाड़ी खरीदने वाले ग्राहकों को अक्टूबर से ज्यादा कीमत चुकानी पड़ सकती है।

बढ़ती लागत का दिया हवाला
कंपनी ने बताया कि कीमतों में बढ़ोतरी का मुख्य कारण क्मोडिटी की बढ़ती कीमतें और अन्य इनपुट कॉस्ट हैं। वाहन बनाने में इस्तेमाल होने वाले कई कच्चे माल की लागत बढ़ने के साथ लॉजिस्टिक्स और सप्लाई से जुड़ी लागत का भी कंपनियों पर असर पड़ रहा है। ऐसे में ऑटो कंपनियां लागत का कुछ हिस्सा कीमत बढ़ाकर पूरा कर रही हैं।

इस साल दूसरी बार बढ़ाए दाम



टाटा मोटर्स की कमर्शियल गाड़ियों की कीमतों में इस साल यह दूसरी बढ़ोतरी होगी। इससे पहले कंपनी ने 1 अप्रैल 2026 से कीमतों में 1.5% तक का इजाफा किया था। उस समय भी



कंपनी ने क्मोडिटी और इनपुट लागत बढ़ने को कीमत बढ़ाने की वजह बताया था। यानी साल के भीतर कमर्शियल व्हीकल की कीमतों में दूसरी बार बदलाव किया जा रहा है। इसका असर



ट्रक, बस और दूसरे कमर्शियल वाहन खरीदने वाले ग्राहकों पर पड़ सकता है।
पैसेंजर गाड़ियों के दाम भी बढ़े
टाटा मोटर्स के पैसेंजर व्हीकल कारोबार में भी इस साल कीमतों में बदलाव हुआ है। 1 जुलाई 2026 से पैसेंजर व्हीकल रेंज की कीमतों में 1.5% तक बढ़ोतरी की गई थी। इसमें पेट्रोल-डीजल यानी ICE मॉडल के साथ इलेक्ट्रिक वाहन भी शामिल थे। इससे पहले 1 अप्रैल से कंपनी ने अपने ICE मॉडल की कीमतों में करीब 0.5% की बढ़ोतरी की थी।

कुछ वैरिएंट में यह बढ़ोतरी 1.09% तक पहुंची थी, जबकि टाटा अल्ट्रोज की कीमत में मामूली कटौती भी की गई थी।

ट्रक, बस और दूसरे कमर्शियल वाहन खरीदने वाले ग्राहकों पर पड़ सकता है।
पैसेंजर गाड़ियों के दाम भी बढ़े
टाटा मोटर्स के पैसेंजर व्हीकल कारोबार में भी इस साल कीमतों में बदलाव हुआ है। 1 जुलाई 2026 से पैसेंजर व्हीकल रेंज की कीमतों में 1.5% तक बढ़ोतरी की गई थी। इसमें पेट्रोल-डीजल यानी ICE मॉडल के साथ इलेक्ट्रिक वाहन भी शामिल थे। इससे पहले 1 अप्रैल से कंपनी ने अपने ICE मॉडल की कीमतों में करीब 0.5% की बढ़ोतरी की थी।
कुछ वैरिएंट में यह बढ़ोतरी 1.09% तक पहुंची थी, जबकि टाटा अल्ट्रोज की कीमत में मामूली कटौती भी की गई थी।

भगवंत मान सरकार ने कर्मचारियों को दिया तोहफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब के सरकारी कर्मचारियों के लिए भगवंत मान सरकार ने खुशियों का बड़ा पिटाया खेल दिया है। त्योहारों और बढ़ती महंगाई के बीच राज्य सरकार ने कर्मचारियों को शानदार सौगात देते हुए महंगाई भत्ते (DA) में एक साथ 8 फीसदी की बंपर बढ़ोतरी का ऐलान किया है। सरकार ने 4-4 प्रतिशत की दो लंबित किस्तों को एक साथ मंजूरी दे दी है, जिसके बाद अब पंजाब के कर्मचारियों का कुल डीए बढ़कर सीधे 50% पर पहुंच गया है।

सबसे खास बात यह है कि कर्मचारियों को इस बढ़े हुए 50% डीए का लाभ इसी महीने मिलने वाली सैलरी के साथ खाते में क्रेडिट होकर मिलेगा। इस ऐतिहासिक फैसले से राज्य के लाखों कर्मचारियों के चेहर खिल उठे हैं और उनके वेतन में जोरदार उछाल देखने को मिलेगा। मुख्यमंत्री भगवंत मान की अध्यक्षता में हुई बैठक में सरकार और कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों के बीच महंगाई भत्ते (DA) को लेकर सहमति बनी। बैठक में वित्त मंत्री हरपाल सिंह चौमा, आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा और कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर भी मौजूद रहे। कर्मचारी पक्ष की ओर से पेंशनर्स और विभिन्न कर्मचारी संगठनों के कुल 12 प्रतिनिधियों ने बैठक में हिस्सा लिया। इनमें साझा फ्रंट ऑफ पेंशनर्स, संयुक्त मुलाजिम मंच, पंजाब सचिवालय एसोसिएशन और पंजाब सिविल सचिवालय ऑफिसर्स एसोसिएशन (सेवानिवृत्त) समेत कई संगठन शामिल थे।

वॉरेन बफेट ने 56 साल पुराना साम्राज्य छोड़ा

मुंबई (एजेंसी)। दिग्गज निवेशक और स्टॉक मार्केट के किंग कहे जाने वाले वॉरेन बफेट (Warren Buffett) ने एक बड़े ऐतिहासिक युग का अंत कर दिया है। 96 वर्षीय बफेट ने बर्कशायर हैथवे के चेयरमैन पद से इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने शुक्रवार को घोषणा की कि वॉरेन बफेट 1970 से यानी लगातार 56 वर्षों से इस पद पर काबिज थे। अब वह तत्काल प्रभाव से कंपनी के चेयरमैन इमरेटस की भूमिका में रहेंगे, जबकि बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं देते रहेंगे।

वॉरेन बफेट के हटने के बाद अब कंपनी की कमान उनके बेटे हर्बर्ट बफेट को सौंपी गई है। हर्बर्ट बफेट 1993 से बर्कशायर हैथवे के बोर्ड में शामिल रहे हैं और अब नए चेयरमैन के रूप में कंपनी की जिम्मेदारियां संभालेंगे। गौरतलब है कि वॉरेन बफेट ने पिछले



साल के अंत में कंपनी के सीईओ (CEO) पद से भी संन्यास ले लिया था, जिसके बाद ग्रेग एबेल को नया सीईओ बनाया गया था। अब बर्कशायर का नेतृत्व मुख्य रूप से दो लोगों के हाथों में होगा, ग्रेग एबेल मुख्य ऑपरेशन्स संभालेंगे और हर्बर्ट बफेट चेयरमैन के रूप में कंपनी की कल्चर और वैल्यू को रक्षा करेंगे।

पद छोड़ने के साथ ही वॉरेन बफेट ने शेयरधारकों के नाम एक भावुक और भरोसा जताने वाली चिट्ठी लिखी। उन्होंने

लिखा, " मैं 1965 से बर्कशायर की सेवा कर रहा हूं। 60 साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी, मेरे पास दुनिया की सबसे बेहतरीन नौकरी है। मेरी उम्र के बहुत कम लोग ऐसा कह सकते हैं। मुझे आगे आने वाले समय को लेकर कभी इतना बेहतर महसूस नहीं हुआ।" बफेट ने कहा कि उन्हें ग्रेग और हर्बर्ट के नेतृत्व पर पूरा भरोसा है।

वॉरेन बफेट ने अपनी लगभग पूरी संपत्ति बर्कशायर हैथवे के शेयरों के जरिए बनाई है। जुलाई 2026 तक उनकी कुल संपत्ति 140 अरब डॉलर (USD) से ज्यादा आंकी गई थी। अपनी विशाल संपत्ति के बावजूद बफेट दुनिया के सबसे बड़े दानवीरों में गिने जाते हैं। साल 2006 से अब तक वे अपनी संपत्ति में से करीब 66 अरब डॉलर मूल्य के शेयर विभिन्न वेलफेयर कार्यों के लिए दान कर चुके हैं।

छह महीने वेंटिलेटर पर रहे मरीज को मुंबई के डॉक्टरों ने फिर दिलाई स्वतंत्र सांस

मुंबई (एजेंसी)। वॉकहार्ट हॉस्पिटल्स, मुंबई सेंट्रल में न्यूरो-रिहैबिलिटेशन के क्षेत्र में एक चुनौतीपूर्ण मामले में गंभीर सर्वािकल स्पाइनल कॉर्ड इंजरी के बाद करीब छह महीने तक वेंटिलेटर पर निर्भर रहे 38 वर्षीय मरीज को स्वतंत्र रूप से सांस लेने में सक्षम बनाया गया। हैदराबाद निवासी मरीज एक गंभीर हादसे के बाद गर्दन की रीढ़ की हड्डी में चोट के कारण गर्दन के नीचे लकवाग्रस्त हो गया था और उसकी स्वतंत्र रूप से सांस लेने की क्षमता भी प्रभावित हुई थी।

हादसे के बाद मरीज को हैदराबाद के आईसीयू में करीब दो महीने तक लगातार वेंटिलेटर सपोर्ट दिया गया। विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में उपचार के बावजूद वह लगभग छह महीने तक कुत्रिम श्वसन पर निर्भर रहा। इसके बाद परिवार ने आगे के उपचार की संभावनाओं के लिए वॉकहार्ट हॉस्पिटल्स, मुंबई सेंट्रल के कंसल्टेंट फंक्शनल न्यूरोसर्जन डॉ. मनीष बालदिया से



संपर्क किया। विस्तृत जांच के दौरान वेंटिलेटर सपोर्ट कम करने पर मरीज के रक्त में कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर बढ़ता पाया गया, जिससे स्पष्ट हुआ कि वह अभी पर्याप्त रूप से स्वतंत्र सांस नहीं ले पा रहा था। इसके बाद डॉक्टरों ने फ्रेनिक नर्व स्टिम्युलेशन प्रक्रिया की। इस उन्नत तकनीक में सांस लेने के लिए जिम्मेदार फ्रेनिक नर्व को उत्तेजित कर डायॉफ्राम की गतिविधि को सक्रिय करने का

प्रयास किया जाता है। प्रक्रिया के तीन से चार दिनों के भीतर मरीज में सुधार के संकेत दिखाई देने लगे, जबकि तीसरे सप्ताह तक उसकी स्थिति स्थिर होने पर उसे आईसीयू से बाहर शिफ्ट किया गया। डॉ. मनीष बालदिया, कंसल्टेंट फंक्शनल न्यूरोसर्जन, वॉकहार्ट हॉस्पिटल्स, मुंबई सेंट्रल ने कहा, "गंभीर सर्वािकल स्पाइनल कॉर्ड इंजरी में मस्तिष्क और सांस लेने वाली मांसपेशियों के बीच संदेशों का संचार प्रभावित हो सकता है। फ्रेनिक

नर्व स्टिम्युलेशन के जरिए डायॉफ्राम को सक्रिय करने का प्रयास किया जाता है, जिससे मरीज में धीरे-धीरे स्वतंत्र सांस लेने की क्षमता विकसित हो सकती है।" उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया रीढ़ की हड्डी की चोट को ठीक नहीं करती, लेकिन स्वतंत्र रूप से सांस लेने की क्षमता मिलने से मरीज की जीवन गुणवत्ता में सुधार हो सकता है और वह पुनर्वास प्रक्रिया में अधिक सक्रिय रूप से भाग ले सकता है।

मजबूत ग्रोथ के दौर से गुजर रही है भारत की ऑटो इंडस्ट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पैसेंजर कार की थोक बिक्री अगस्त में सालाना आधार पर 36.5 प्रतिशत बढ़कर 4,39,309 यूनिट हो गई। SIAM ने मंगलवार को बिक्री से जुड़े नए आंकड़े जारी किए। अगस्त 2025 में पैसेंजर कारों की थोक बिक्री 3,21,901 यूनिट रही थी। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चरर्स (SIAM) ने बयान में कहा कि अगस्त में कुल टू-व्हीलर्स की बिक्री 10.5 प्रतिशत बढ़कर 20,34,698 यूनिट हो गई, जबकि पिछले साल अगस्त में ये 18,41,954 यूनिट थी। इसके अलावा, इस साल अगस्त में श्री-व्हीलर्स की थोक बिक्री 22.8 प्रतिशत बढ़कर 93,764 यूनिट हो गई। जबकि अगस्त 2025 में ये 76,324 यूनिट थी। सियाम के डायरेक्टर जनरल राजेश मेनन ने कहा, "पैसेंजर कारों, टू-व्हीलर्स और श्री-व्हीलर्स के सेगमेंट में अगस्त 2026 की अब तक की सबसे ज्यादा बिक्री दर्ज की गई है।

दूर ऑपरेटर्स एवं पर्यटन क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने जाना धमतरी का पर्यटन वैभव

धमतरी फैम ट्रिप 2026 का समापन



धमतरी (वीएनएस)। धमतरी जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने तथा जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों को राज्य एवं देश के पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित “Dhamtari Fam Trip 2026” का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ।

17 एवं 18 सितंबर को आयोजित इस दो दिवसीय फैम ट्रिप में दूर ऑपरेटर्स, ट्रेवल एसोसिएशन एवं होटल एसोसिएशन से जुड़े प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस पहल का उद्देश्य पर्यटन क्षेत्र से जुड़े हितधारकों को धमतरी के प्रमुख पर्यटन स्थलों, प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक विरासत, ग्रामीण पर्यटन एवं एडवेंचर टूरिज्म की संभावनाओं से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना रहा।

फैम ट्रिप की शुरुआत मां अंगारमोती माता मंदिर के दर्शन से हुई। इसके बाद प्रतिभागियों ने गंगरेल बांध एवं थेमली

आइलैंड का भ्रमण किया और बोट राइड का आनंद लिया। इसके साथ ही रामटेकरी एवं हरफर गांव सहित विभिन्न पर्यटन स्थलों का दौरा कर स्थानीय पर्यटन एवं ग्रामीण जीवनशैली को करीब से जाना।

प्रतिभागियों ने रुद्री क्षेत्र में कयाकिंग एवं जल आधारित साहसिक गतिविधियों का भी अनुभव किया। दूसरे दिन नरहरा जलप्रपात, मदमसिल्ली बांध एवं जबर्रा गांव सहित अन्य प्रमुख स्थलों का भ्रमण कराया गया।

इस दौरान दूर ऑपरेटर्स एवं पर्यटन क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों ने धमतरी में उपलब्ध विभिन्न पर्यटन स्थलों एवं गतिविधियों को देखा तथा भविष्य में इन स्थलों को अपने दूर पैकेज एवं पर्यटन सर्किट में शामिल करने की संभावनाओं पर चर्चा की।

फैम ट्रिप का एक प्रमुख उद्देश्य पर्यटन हितधारकों के बीच बेहतर

समन्वय स्थापित करना तथा धमतरी के पर्यटन स्थलों के लिए व्यवस्थित दूर पैकेज विकसित करने की दिशा में कार्य करना रहा। होटल एवं पर्यटन व्यवसाय से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ स्थानीय स्तर पर पर्यटन सुविधाओं, पर्यटकों के ठहरने, खान-पान, परिवहन एवं अन्य आवश्यक सेवाओं को बेहतर बनाने पर भी चर्चा हुई।

जिला प्रशासन द्वारा धमतरी में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन समितियों, होटल एवं टूरिज्म सेक्टर से जुड़े हितधारकों तथा स्थानीय समुदाय को साथ लेकर विभिन्न पहल की जा रही हैं। इसी क्रम में आयोजित यह फैम ट्रिप धमतरी के पर्यटन स्थलों को अधिक व्यवस्थित तरीके से पर्यटकों तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल रही। फैम ट्रिप में शामिल प्रतिनिधियों ने धमतरी के गंगरेल, थेमली आइलैंड, नरहरा जलप्रपात,

मदमसिल्ली, रुद्री एवं ग्रामीण पर्यटन स्थलों की संभावनाओं की सराहना की और कहा कि इन स्थलों को बेहतर दूर पैकेज एवं पर्यटन सर्किट से जोड़कर अधिक संख्या में पर्यटकों को धमतरी की ओर आकर्षित किया जा सकता है।

Dhamtari Fam Trip 2026 के माध्यम से जिला प्रशासन का प्रयास धमतरी को एक ऐसे पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित करना है, जहां प्रकृति, आस्था, एडवेंचर, संस्कृति एवं ग्रामीण अनुभव एक साथ पर्यटकों को उपलब्ध हो सकें।

जिला प्रशासन ने फैम ट्रिप में शामिल सभी दूर ऑपरेटर्स, ट्रेवल एसोसिएशन, होटल एसोसिएशन एवं पर्यटन क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी धमतरी के पर्यटन विकास के लिए सामूहिक प्रयास जारी रखने की बात कही।

छत्तीसगढ़ जनपद पंचायत अध्यक्ष-उपाध्यक्ष संघ की प्रदेश कार्यकारिणी गठित, वीरेंद्र साहू बने प्रदेश अध्यक्ष

रायपुर (वीएनएस)। छत्तीसगढ़ जनपद पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष संघ की प्रदेश स्तरीय बैठक 16 सितंबर को विमतारा, रायपुर में आयोजित हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के सभी जनपद पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों को एक साझा मंच पर लाकर उनकी समस्याओं, अधिकारों, दायित्वों एवं जनपद पंचायतों के संचालन से जुड़े विषयों पर चर्चा करना तथा संगठन को प्रदेश स्तर पर मजबूत करना रहा।

बैठक में जनपद पंचायतों के कार्य में आ रही व्यवहारिक कठिनाइयों, अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों की भूमिका एवं अधिकारों, पंचायतों के बेहतर संचालन तथा शासन-प्रशासन के साथ प्रभावी समन्वय जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही, जनपद पंचायतों से जुड़े विषयों को सामूहिक रूप से शासन के समक्ष रखने और अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों की समस्याओं के निराकरण के लिए संगठित प्रयास करने पर भी



चर्चा हुई। बैठक के दौरान संघ की प्रदेश कार्यकारिणी का गठन किया गया। वीरेंद्र साहू को प्रदेश अध्यक्ष तथा श्रीमती पुष्पा प्रदेशी खुंटे को प्रदेश सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में श्रीमती शारदा सनत देवांगन, श्रीमती ममता राजीव सिंह, प्रकाश चंद्र जाखड़, मोहित पटेल, श्रीमती हुलसी चंद्राकर, श्रीमती इंद्रानी साहू, संजु गोपाल साहू, मंगलूराम नुरेटी, डॉ. राजेश्वरी त्रिपाठी, जितेंद्र साहू एवं अरविंद गुप्ता को जिम्मेदारी दी गई है।

वहीं कवि शरण वर्मा को संरक्षक बनाया गया। प्रदेश प्रवक्ता के रूप में कीर्ति नायक, अनिल सिंह, तरुण कुमार पांडे, मनोज कुमार अग्रवाल एवं गोपाल शुक्ला को जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा अनिल अग्रवाल कोषाध्यक्ष तथा सीताराम चंद्रा को सह कोषाध्यक्ष बनाया गया।

नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र साहू सहित पदाधिकारियों ने कहा कि संघ का उद्देश्य प्रदेश के जनपद पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों को एकजुट कर उनके हितों से जुड़े विषयों को उचित मंच पर मजबूती से रखना है। साथ ही, पंचायत व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा जनपद पंचायतों के जनप्रतिनिधियों और शासन-प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में संगठन कार्य करेगा। बैठक के अंत में नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों को उपस्थित जनपद पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

शिविर में 81 दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों का पंजीयन

दुर्ग। जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग दुर्ग के सहयोग से एग्रीकल्चर इन्स्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (एआईसी) भारत सरकार वित्त मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण मंत्रालय के निगमित सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर.) एवं इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (ई.आई.एस.) भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के निगमित सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर.) योजनान्तर्गत एवं भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को), रायपुर द्वारा दुर्ग जिले के दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण प्रदाय हेतु दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों हेतु मूल्यांकन/परीक्षण/चिन्हांकन शिविर का आयोजन नगर पालिक निगम दुर्ग/भिलाई/रिसाली एवं जनपद पंचायत दुर्ग के समस्त ग्राम पंचायत क्षेत्र को सम्मिलित करते हुए स्थान - विवेकानंद भवन पदमनाभपुर रोड जेल तिराहा चौक दुर्ग,

जिला दुर्ग में शिविर आयोजित किया गया। उप संचालक समाज कल्याण दुर्ग से प्राप्त जानकारी अनुसार आयोजित शिविर में कुल 81 दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों का पंजीयन किया गया जिसमें से दिव्यांगजनों हेतु विभिन्न सामग्री जैसे मोटराइज्ड ट्रायसायकल, ट्रायसायकल, बैसाखी, व्हीलचेयर, तथा वरिष्ठजनों हेतु श्रवण यंत्र, कमोड चेयर, वॉकिंग स्टिक, वॉकर, सुगम्य छड़ी आदि उपकरणों के लिए चिन्हांकन किया गया, आज के शिविर में 69 हितग्राहियों को कुल 115 सामग्रियों के लिए चिन्हांकित किया गया। उक्त अवसर पर देवनारायण चन्द्राकर, पार्षद एवं लोक निर्माण विभाग प्रभारी नगर पालिक निगम दुर्ग .ए.पी. गौतम, उपसंचालक तथा जन्तराम ठाकुर नोडल अधिकारी समाज कल्याण विभाग दुर्ग तथा एलिम्को रायपुर के चिकित्सकीय दल एवं समाज कल्याण विभाग व जनपद पंचायत दुर्ग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

पक्के मकान ने दिया सुरक्षा और सुकून, सनातन प्रसाद का वर्षों पुराना सपना हुआ पूरा

कोरबा। कोरबा शहर के वार्ड क्रमांक 19 पथरीपारा निवासी सनातन प्रसाद पाठक के लिए पक्का मकान केवल एक निर्माण नहीं, बल्कि परिवार के सुरक्षित और सुखद जीवन की नई शुरुआत है। ठेका मजदूरी का कार्य करने वाले पाठक पहले अपनी पत्नी श्रीमती विजय लक्ष्मी पाठक और परिवार के साथ कच्चे मकान में रहते थे। छप्पर से बने घर की हर बरसात उनके लिए चिंता लेकर आती थी। बार-बार मरम्मत के बावजूद घर को सुरक्षित रखना मुश्किल होता था।

पाठक बताते हैं कि कच्चे मकान में रहने के दौरान बरसात के दिनों में छत से पानी टपकता था। दीवारों और फर्श में सीलन आ जाने से घर के भीतर रहना परेशानी भरा हो जाता था। मिट्टी



के घर में जहरीले सांप-बिच्छुओं का डर भी हमेशा बना रहता था। सीमित आमदनी में बार-बार मकान की मरम्मत कराना भी

उनके लिए आसान नहीं था। ऐसे में परिवार के लिए एक मजबूत और सुरक्षित घर का सपना लंबे समय से मन में था।

योजना का लाभ मिलने के बाद यह सपना हकीकत में बदल गया। अब सनातन प्रसाद पाठक अपने परिवार के साथ पक्के मकान में सुरक्षित और सुकून भरा जीवन व्यतीत कर रहे हैं। वे कहते हैं, “पहले कच्चे घर में बहुत दिक्कत होती थी। बारिश में छत से पानी टपकता था, दीवार और फर्श में सीलन रहती थी। मिट्टी के घर में सांप-बिच्छू आने का डर भी लगा रहता था। घर की मरम्मत में बार-बार खर्च करना पड़ता था। अब हमारा पक्का मकान बन गया है। बारिश में पानी टपकने या घर को नुकसान होने की चिंता नहीं

रहती। परिवार के साथ अपने घर में बहुत अच्छा और सुरक्षित महसूस होता है।”

पक्का मकान मिलने से पाठक के परिवार को केवल बेहतर आवास ही नहीं मिला, बल्कि वर्षों से चली आ रही असुविधाओं से भी राहत मिली है। अब उनका घर मौसम की मार से सुरक्षित है और परिवार निश्चिंत होकर अपने पक्के आशियाने में जीवन बिता रहा है। पाठक इस योजना से लाभान्वित होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि सरकार की आवास योजना ने उनके परिवार के उस सपने को पूरा किया है, जिसे वे लंबे समय से अपने मन में संजोए हुए थे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत मेरे सपनों का भारत चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उकेरे विकसित भारत के सपने

राजनांदगांव (दैर्नदिनी ब्यूरो)। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत विद्यार्थियों की रचनात्मकता, कल्पनाशीलता तथा विकसित भारत के प्रति उनके विचारों को अभिव्यक्त देने के उद्देश्य से जिले में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 18 सितम्बर को जिले के 1234 से अधिक शासकीय, अशासकीय एवं अनुदान प्राप्त विद्यालयों में मेरे सपनों का भारत विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई।

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए चित्रों एवं पेंटिंग के माध्यम से भारत की विकास यात्रा और



विकसित भारत को लेकर अपने सपनों एवं कल्पनाओं को साकार किया।

चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को देश की पिछले 25 वर्षों की विकास यात्रा एवं उपलब्धियों तथा विकसित भारत की संकल्पना से जुड़े विषयों पर अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रस्तुत करने का अवसर मिला।

विद्यार्थियों ने रंगों और कल्पनाओं के माध्यम से अपने सपनों के भारत की तस्वीर उकेरी। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में देश के विकास, नवाचार, आत्मनिर्भरता तथा भविष्य के भारत को लेकर सोच को विकसित करने का प्रयास किया गया। विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए चित्रों एवं पेंटिंग की प्रदर्शनी

19 सितम्बर को सभी विद्यालयों में आयोजित की जाएगी। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा तैयार चित्रों के माध्यम से देश की विकास यात्रा और विकसित भारत को लेकर उनके विचारों एवं सपनों को प्रदर्शित किया जाएगा। इस अवसर पर विद्यार्थियों के पालकों, शाला प्रबंधन समिति (एसएमसी), शाला प्रबंधन एवं विकास समिति (एसएमडीसी) के सदस्यों, जनप्रतिनिधियों तथा स्व-सहायता समूहों के सदस्यों को आमंत्रित किया जाएगा। प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के साथ ही विद्यालय और समुदाय के बीच सहभागिता को बढ़ावा देना है।

सौर ऊर्जा से रोशन हुई पढ़ाई, आदिवासी छात्रावासों में बेहतर हुआ शैक्षणिक वातावरण

कोरबा। सूरज की ऊर्जा अब आदिवासी छात्राओं की पढ़ाई को नई रोशनी और नई सुविधा दे रही है। स्वच्छ एवं अक्षय ऊर्जा के उपयोग से छात्रावासों में अध्ययन के लिए बेहतर वातावरण तैयार हो रहा है और विद्यार्थियों को अपनी शैक्षणिक गतिविधियों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने का अवसर मिल रहा है। इसी सकारात्मक पहल के तहत क्रेडा विभाग द्वारा कटघोरा स्थित 100 सीटर कन्या छात्रावास में 2.4 किलोवाट क्षमता का सोलर पावर प्लांट स्थापित किया गया है। सौर ऊर्जा आधारित विद्युत व्यवस्था से छात्राओं को पढ़ाई, गृहकार्य और दैनिक गतिविधियों के लिए बेहतर प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध हो रही है। इससे छात्रावास में सुविधा, ऊर्जा संरक्षण और गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण को बढ़ावा मिल रहा है तथा स्वच्छ ऊर्जा के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता भी विकसित हो रही है।

पहले बिजली आपूर्ति बाधित होने पर विशेषकर शाम और रात के समय विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होती थी। अब सौर ऊर्जा आधारित विद्युत व्यवस्था ऐसे समय में वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत के रूप में सहायक बन रही है। पर्याप्त प्रकाश उपलब्ध होने से छात्राएं नियमित रूप से पढ़ाई, गृहकार्य और अन्य

शैक्षणिक गतिविधियां कर पा रही हैं। इससे उन्हें अपनी पढ़ाई पर बेहतर ढंग से ध्यान केंद्रित करने और गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण में अध्ययन करने का अवसर मिल रहा है।

सोलर पावर प्लांट का लाभ केवल अध्ययन तक सीमित नहीं है। छात्रावास की प्रकाश व्यवस्था और आवश्यक विद्युत उपकरणों के उपयोग में भी इससे सुविधा मिल रही है, जिससे विद्यार्थियों और छात्रावास प्रबंधन की दैनिक गतिविधियां सुचारू रूप से संचालित हो रही हैं।

साथ ही, स्वच्छ एवं अक्षय ऊर्जा के उपयोग के माध्यम से विद्यार्थियों को ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जागरूक होने का व्यावहारिक अवसर भी मिल रहा है। आदिवासी विद्यार्थियों के लिए संचालित आश्रम-छात्रावासों में सौर ऊर्जा की यह पहल शिक्षा के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ आत्मनिर्भर और पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा व्यवस्था की दिशा में भी सार्थक कदम है। कटघोरा का 100 सीटर कन्या छात्रावास इसका उदाहरण है, जहां सौर ऊर्जा की रोशनी विद्यार्थियों की पढ़ाई को संबल देने के साथ उनके लिए अधिक सुविधाजनक और गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण तैयार करने में सहायक बन रही है।

छात्रावास की छात्राओं के साथ अधीक्षिका एवं अन्य स्टाफ भी सोलर पावर प्लांट की सुविधा को उपयोगी और लाभप्रद बता रहे हैं। उनका कहना है कि सौर ऊर्जा आधारित विद्युत व्यवस्था से बिजली बाधित होने की स्थिति में भी आवश्यक प्रकाश व्यवस्था बनाए रखने में सुविधा मिलती है। इससे छात्राओं की पढ़ाई और गृहकार्य सुचारू रूप से जारी रहता है तथा छात्रावास की दैनिक गतिविधियों के संचालन में भी सहूलियत होती है। सौर ऊर्जा की यह सुविधा छात्राओं के लिए बेहतर अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराने के साथ अधीक्षिका एवं स्टाफ के लिए छात्रावास की व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने में सहायक साबित हो रही है।

सभी ने सौर ऊर्जा की इस उपयोगी सुविधा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस पहल से छात्रावास में बिजली की उपलब्धता बेहतर हुई है और छात्राओं को पढ़ाई के लिए सुविधाजनक एवं गुणवत्तापूर्ण वातावरण मिल रहा है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने वाली यह पहल विद्यार्थियों की शिक्षा, सुविधा और उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है।

कुरुद में उद्योगपतियों एवं उद्यमियों की बैठक आयोजित

क्षेत्र में औद्योगिक विकास के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाओं को बेहतर और मजबूत किया जा रहा: विधायक चंद्राकर

धमतरी (वीएनएस)। कुरुद विधानसभा क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार, आवश्यक अधोसंरचना के विकास तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने के उद्देश्य से आज कुरुद में उद्योगपतियों एवं उद्यमियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विधायक अजय चंद्राकर ने की। बैठक में क्षेत्र में संचालित एवं प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्रों की आवश्यकताओं, उद्यमियों की समस्याओं तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने के संबंध में विस्तार से चर्चा हुई।

विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि क्षेत्र में औद्योगिक विकास के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मेगा फूड पार्क बगौद में विद्युत सब-स्टेशन का कार्य प्रारंभ हो चुका है, जिसे शीघ्र पूर्ण करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि

आवश्यकता के अनुरूप फीडर केनाल से जल उपलब्ध कराने की व्यवस्था पर भी विचार किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में मेगा फूड पार्क बगौद एवं जामगांव औद्योगिक क्षेत्र संचालित हैं। वहीं करेली बड़ी, कचना एवं भालुझूलन में नवीन औद्योगिक क्षेत्रों को प्रारंभ करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इन औद्योगिक क्षेत्रों के विकसित होने से क्षेत्र में निवेश, उत्पादन एवं रोजगार के नए अवसरों को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

श्री चंद्राकर ने कहा कि क्षेत्र में परिवहन एवं कनेक्टिविटी से जुड़ी सुविधाओं के विस्तार का लाभ भी औद्योगिक गतिविधियों को मिलेगा। बड़ी रेल लाइन का कार्य पूर्ण होने तथा एयरपोर्ट की निकटता से क्षेत्र की कनेक्टिविटी बेहतर होगी, जिससे उद्योगों के लिए आवागमन एवं माल परिवहन की सुविधाएं और सुदृढ़ होंगी।

उन्होंने स्थानीय युवाओं को उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप प्रशिक्षित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने बताया कि जामगांव में आईटीआई का शुभारंभ किया गया है तथा क्षेत्र के विभिन्न आईटीआई में अलग-अलग ट्रेड संचालित हैं। इन संस्थानों के माध्यम से उद्योगों की मांग के अनुरूप कुशल मानव संसाधन तैयार



करने और स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोड़ने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने उद्योगपतियों से भी स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षण एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में सक्रिय सहयोग की अपेक्षा की।

उद्यमियों ने रखी विभिन्न समस्याएं एवं मांगें

बैठक में उद्यमियों ने औद्योगिक क्षेत्रों में जल उपलब्धता, बैंक ऋण, बाउंड्री वॉल, अतिक्रमण, लीज रेंट में राहत तथा औद्योगिक क्षेत्र के स्वरूप में परिवर्तन सहित विभिन्न समस्याओं एवं मांगों से अवगत कराया। उद्यमियों द्वारा प्रस्तुत विषयों पर संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ चर्चा की गई तथा नियमानुसार परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही किए जाने की बात कही गई।

बैठक में काशी लेदर पर जोर दिया गया कि क्षेत्र में औद्योगिक विकास को केवल निवेश तक

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के उद्यमियों के लिए 100 प्रतिशत अनुदान तथा चरण पादुका योजना के अंतर्गत स्थानीय निर्माताओं से जूते-चप्पल क्रय किए जाने की मांग रखी गई।

इसी क्रम में मार्बल सेंटर इंडिया, कोडापार द्वारा स्थानीय युवाओं को ऑन-जॉब ट्रेनिंग उपलब्ध कराने की सहमति व्यक्त की गई। राघव इंडस्ट्रीज द्वारा उद्योग की आवश्यकता के अनुरूप कंप्यूटर एवं अंग्रेजी भाषा में दक्ष कर्मचारियों की आवश्यकता से अवगत कराया गया। इससे स्थानीय स्तर पर कौशल विकास एवं रोजगार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई।

बैठक में प्राप्त समस्याओं एवं सुझावों का संबंधित विभागों द्वारा नियमानुसार परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही किए जाने पर सहमति बनी। बैठक को क्षेत्र में उद्योगों के अनुकूल वातावरण विकसित करने तथा प्रशासन, उद्योग जगत और स्थानीय युवाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा गया।

सीमित न रखते हुए स्थानीय संसाधनों के मूल्य संवर्धन, स्थानीय युवाओं के कौशल विकास, रोजगार सृजन और उद्योगिता को बढ़ावा देने से जोड़ा जाए। उद्योगों की आवश्यकताओं और उपलब्ध मानव संसाधन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए उद्योग एवं प्रशिक्षण संस्थानों के बीच संवाद को निरंतर बनाए रखने पर भी चर्चा हुई।

बैठक में प्राप्त समस्याओं एवं सुझावों का संबंधित विभागों द्वारा नियमानुसार परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही किए जाने पर सहमति बनी। बैठक को क्षेत्र में उद्योगों के अनुकूल वातावरण विकसित करने तथा प्रशासन, उद्योग जगत और स्थानीय युवाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा गया।

सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर मंत्री लखनलाल देवांगन ने की समीक्षा

‘आशीर्वाद का दीया’ में जनभागीदारी की सराहना, सभी गतिविधियों में अधिक से अधिक सहभागिता पर दिया जोर

रायपुर ■ दैनन्दिनी

प्रदेश के श्रम, उद्योग और व्यापार, वाणिज्यिक कर मंत्री एवं खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने विश्राम भवन खैरागढ़ में बैठक लेकर ‘सेवा संकल्प अभियान’ की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ अभियान की आगामी गतिविधियों और तिथिवार कार्ययोजना पर चर्चा की। प्रभारी मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि 17 सितंबर से 17



अक्टूबर तक आयोजित होने वाले इस एक माह के अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ प्रभावी स्वरूप दिया जाए। इसके लिए शासन-प्रशासन के साथ जनप्रतिनिधियों,

सामाजिक संगठनों और नागरिकों का परस्पर समन्वित सहयोग आवश्यक है।

प्रभारी मंत्री श्री देवांगन ने अभियान के शुभारंभ अवसर पर 17 सितंबर को आयोजित ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों, प्रशासन, सामाजिक संगठनों तथा आम नागरिकों की सहभागिता से बड़ी संख्या में दीप प्रज्वलित किया जाना जनभागीदारी की भावना को दर्शाता है। उन्होंने इस आयोजन की सफलता के लिए जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन और जिलावासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्षों की जनसेवा, नेतृत्व और समर्पण की यात्रा के प्रति आभार व्यक्त करने तथा विकसित भारत-2047 के संकल्प को जनभागीदारी के माध्यम से आगे बढ़ाने के उद्देश्य से ‘सेवा संकल्प अभियान’

आयोजित किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से सेवा, समर्पण और विकास की भावना को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। बैठक में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री विक्रान्त सिंह, जिला पंचायत सदस्य श्री दिनेश साहू, वरिष्ठ नागरिक श्री विशंभर साहू, श्री नवनीत जैन, श्री शशांक ताम्रकार सहित कलेक्टर श्री इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल, पुलिस अधीक्षक श्री लक्ष्य विनोद शर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रेम कुमार पटेल के अलावा जिले के जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि अभियान के तहत निर्धारित तिथिवार कार्यक्रमों को समयबद्ध तरीके से आयोजित किया जाए। सभी विभाग अपने दायित्वों का आपसी समन्वय के साथ निर्वहन करें, ताकि अभियान की गतिविधियां जिले के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सकें। उन्होंने कार्यक्रमों में

जनप्रतिनिधियों के साथ सामाजिक संगठनों, युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों और आम नागरिकों की अधिक से अधिक संख्या में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर देते हुए कहा कि व्यापक जनसहभागिता से ही अभियान की गतिविधियों को प्रभावी बनाया जा सकता है। सभी संबंधित विभाग आपसी तालमेल के साथ कार्य करते हुए निर्धारित कार्यक्रमों को बेहतर ढंग से संपन्न कराएं तथा अभियान के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने का हरसंभव प्रयास करें।

सेवा संकल्प अभियान के पहले दिन 17 सितंबर को आयोजित ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम में जिलेभर में बड़ी संख्या में दीप प्रज्वलित किए गए। ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के नागरिकों ने उत्साह के साथ इसमें भागीदारी निभाई। दीप प्रज्वलन के माध्यम से सेवा, समर्पण और विकसित भारत के सामूहिक संकल्प को अभिव्यक्त किया गया।

झीरम हत्याकांड पर कांग्रेस ने लिए तीन बड़े फैसले

रायपुर ■ दैनन्दिनी

झीरम घाटी हत्याकांड मामले को लेकर छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने आज बैठक आयोजित कर तीन बड़े निर्णय लिए। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा, इस मामले को लेकर कांग्रेस आलाकमान से समय लेकर वरिष्ठ नेताओं के साथ मुलाकात करेगी। पीडित परिवारों के साथ दिल्ली में कांग्रेस बड़ी प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगी। इसके अलावा कांग्रेस NIA कोर्ट के फैसले के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि इस फैसले से पीड़ित और शहीद परिवार संतुष्ट नहीं है। परिवार लंबे समय से न्याय की उम्मीद



लगाए बैठे हैं, लेकिन फैसले के बाद भी उनके आंसू नहीं थमे। बैज ने बताया कि NIA कोर्ट के फैसले के बाद कांग्रेस ने पीड़ित परिवारों और शहीद परिवारों से चर्चा की। बैठक में फैसले को लेकर गंभीर मंथन

किया गया। बस्तर और छत्तीसगढ़ की जनता भी इस फैसले से खुश नहीं है। बैज ने कहा NIA कोर्ट के फैसले में नक्सल संगठन के निचले स्तर पर काम करने वाले और सूचना तंत्र के रूप में

भूमिका निभाने वाले लोगों पर ही कार्रवाई हुई है। झीरम जैसे बड़े मामले में वास्तविक न्याय होना चाहिए, केवल कार्रवाई का दिखावा नहीं होनी चाहिए। कांग्रेस इस पूरे मामले को आगे की गंभीरता से उठाएगी। पीड़ित

परिवारों को न्याय दिलाने के लिए हर संभव कानूनी रास्ते पर विचार किया जाएगा।

बैज ने कहा कि कांग्रेस जल्द ही पार्टी के आलाकमान से समय लेकर मुलाकात करेगी और NIA कोर्ट के फैसले को लेकर विस्तार से चर्चा करेगी। इसके अलावा दिल्ली में एक बड़ी प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर इस मुद्दे को उठाने की भी तैयारी है। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित लोगों से चर्चा के बाद वरिष्ठ वकीलों से कानूनी राय ली जाएगी। इसके बाद आगे की रणनीति तय की जाएगी, ताकि झीरम घाटी के पीड़ित और शहीद परिवारों को न्याय दिलाने के लिए प्रभावी कदम उठाया जा सके।

अरुण साव ने कांग्रेस पर लगाया राजनीति करने का आरोप,भूपेश बघेल का पलटवार

रायपुर ■ दैनन्दिनी

झीरम मामले में एनआईए कोर्ट के फैसले को लेकर सियासी बयानबाजी का दौर जारी है। कांग्रेस नेताओं के बयानों पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कटाक्ष करते हुए कहा है कि कांग्रेस नेता केवल राजनीति कर रहे हैं। इस पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पलटवार करते हुए कहा है कि साव के परिवार के लोगों की हत्या नहीं हुई है, इसलिए उनको इस चीज का एहसास नहीं हो सकता है। झीरम मामले में कांग्रेस की बैठक पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर हमला करते हुए कहा कि दावा ठोक-ठोक कर कहते रहे कि झीरम का सच मेरी जेब में है, लेकिन जाँच के दौरान भी नहीं निकला. भूपेश बघेल मामले में केवल और केवल राजनीति करते रहे. इस पर भूपेश बघेल ने कहा कि हमने अपने बड़े नेताओं को खोया है. अरुण साव को केवल मजा आता है.

वहीं झीरम घाटी मामले में पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता कवासी लखमा पर संदेह को लेकर अरुण साव ने कहा कि एनआईए ने विस्तार से मामले की जाँच की है. बहुत बड़ी संख्या में लोगों के साक्ष्य अंकित किए हैं. जाँच के दौरान जो-जो तथ्य आए हैं, निश्चित रूप से वह चार्जशीट में होगा. वहीं बिलासपुर में बांग्लादेशियों की जाँच मामले में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस बेवजह आरोप लगाती है. पुलिस ने पाया यह संदिग्ध है, उस हिसाब से जाँच हो रहा था. जाँच में जो तथ्य आएंगे, उस पर कार्रवाई होगी. जो भारत के नागरिक मिलेंगे उस पर कार्रवाई थोड़े होगी.इसके अलावा कांग्रेस अनुशासन समिति की बैठक पर अरुण साव ने कहा कि कांग्रेस में अंदर-बाहर का खेल चलते रहता है. कांग्रेस में ना कोई संविधान है, ना कोई नियम है. एक परिवार की पार्टी है. जब चाहे जिसको बाहर करो, जब चाहे जिसको अंदर करो, कांग्रेस में यह परंपरा रही है.

छत्तीसगढ़ में मानसून मेहरबान : प्रदेश में अब तक 996.5 मिमी बारिश

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ इस बार के सीजन में मानसून मेहरबान रहा। राज्य सरकार के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से 19 सितंबर 2026 तक जारी आंकड़ों के अनुसार, चालू मानसून सीजन में 1 जून से अब तक प्रदेश में औसतन 96.4 प्रतिशत (996.5 मिमी) बारिश हो चुकी है, जबकि इस अवधि के लिए राज्य की औसत वर्षा 1033.6 मिमी निर्धारित है। प्रदेशभर के जिलों में वर्षा का रुख मिश्रित रहा है। सरगुजा संभाग की बात करें तो

मिमी), बिलासपुर में 95.8% (967.8 मिमी), सकती में 95.6% (937.2 मिमी), गोरिला-पेण्ड्रा-मरवाही में 90.1% (912.5 मिमी) और रायगढ़ में 87.6% (936.3 मिमी) वर्षा दर्ज की गई है।

जानें दुर्ग संभाग का हाल

दुर्ग संभाग के मैदानी इलाकों में बालोद जिला 106.3% (1057.1 मिमी) बारिश के साथ सबसे आगे है। वहीं दुर्ग में 98.3% (749.6 मिमी), कबीरधाम में 83.0% (644.0 मि.मी.), राजनांदगांव में 94.9% (839.9 मि.मी.),



खैरागढ़ - छुईखदान-गंडई में 93.0% (6 9 9 . 5 मि.मी.), बेमेतरा में 75.2% (5 6 9 . 7 मि.मी.) तथा मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 71.8% (864.1 मि.मी.) वर्षा रिकॉर्ड की गई है। दक्षिण छत्तीसगढ़ यानी बस्तर संभाग में बारिश का मिला-जुला असर देखने को मिला है। नारायणपुर जिले में औसत की तुलना में 108.6% (1376.6 मि.मी.) बारिश हो चुकी है। वहीं दंतेवाड़ा में 91.4% (1232.8 मि.मी.), कोण्डागांव में 81.8% (936.9 मि.मी.) और बस्तर जिले में 80.7% (1045.6 मि.मी.) वर्षा दर्ज की गई है। संभाग के बीजापुर (70.3%, 1324.4 मि.मी.), सुकमा (69.3%, 982.2 मि.मी.) और कांकेर जिले में कम बारिश दर्ज हुई है; कांकेर में प्रदेश में सबसे कम मात्र 67.0% (945.7 मि.मी.) ही वर्षा दर्ज की गई है।

अगर केवल 19 सितंबर के दैनिक आंकड़ों पर नजर डालें तो मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी (17.3 मि.मी.), नारायणपुर (16.5 मि.मी.) और कांकेर (16.3 मि.मी.) में अच्छी बारिश दर्ज की गई, जबकि सांजगीर-चांपा, कोण्डागांव और दंतेवाड़ा में दिनभर वर्षा शून्य रही। कुल मिलाकर प्रदेशभर में औसत दैनिक बारिश 4.0 मि.मी. रिकॉर्ड की गई है।

बिलासपुर संभाग में संतोषजनक बारिश

बिलासपुर संभाग के जिलों में भी संतोषजनक वर्षा दर्ज की गई है। सारंगढ़-बिलासगढ़ जिले में सामान्य से अधिक 138.5% (1127.8 मिमी) बारिश हुई है। इसके अलावा मुंगेली में 112.5% (1003.7 मिमी), जांजगीर-चांपा में 103.4% (1101.5 मिमी), कोरबा में 97.5% (1071.0

मिमी) वर्षा रिकॉर्ड की गई है। दक्षिण छत्तीसगढ़ यानी बस्तर संभाग में बारिश का मिला-जुला असर देखने को मिला है। नारायणपुर जिले में औसत की तुलना में 108.6% (1376.6 मि.मी.) बारिश हो चुकी है। वहीं दंतेवाड़ा में 91.4% (1232.8 मि.मी.), कोण्डागांव में 81.8% (936.9 मि.मी.) और बस्तर जिले में 80.7% (1045.6 मि.मी.) वर्षा दर्ज की गई है। संभाग के बीजापुर (70.3%, 1324.4 मि.मी.), सुकमा (69.3%, 982.2 मि.मी.) और कांकेर जिले में कम बारिश दर्ज हुई है; कांकेर में प्रदेश में सबसे कम मात्र 67.0% (945.7 मि.मी.) ही वर्षा दर्ज की गई है। अगर केवल 19 सितंबर के दैनिक आंकड़ों पर नजर डालें तो मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी (17.3 मि.मी.), नारायणपुर (16.5 मि.मी.) और कांकेर (16.3 मि.मी.) में अच्छी बारिश दर्ज की गई, जबकि सांजगीर-चांपा, कोण्डागांव और दंतेवाड़ा में दिनभर वर्षा शून्य रही। कुल मिलाकर प्रदेशभर में औसत दैनिक बारिश 4.0 मि.मी. रिकॉर्ड की गई है।

17 सूत्रीय मांगों को लेकर 21 से छत्तीसगढ़ में जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ के सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में जूनियर डॉक्टर एक बार फिर आंदोलन की तैयारी में हैं। स्ट्राइपेंड, वेतन-मानदेय में संशोधन समेत 17 सूत्रीय मांगों को लेकर जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन ने 21 सितंबर से ओपीडी के बहिष्कार का ऐलान किया है। मांगों का निराकरण नहीं होने पर 23 सितंबर से इमरजेंसी सेवाओं का भी बहिष्कार करने की चेतावनी दी गई है। आंदोलन में एमबीबीएस इंटर्न, पीजी रेजिडेंट, सीनियर रेजिडेंट और बॉन्डेड जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों के शामिल होने की बात कही गई है। डॉक्टरों का कहना है कि, मांगों को लेकर पहले भी सरकार को ज्ञापन और पत्र दिए गए थे, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने के कारण दोबारा आंदोलन का फैसला लिया गया है।

एक माह पहले स्वास्थ्य मंत्री के साथ हुई थी बैठक-डॉक्टरों के मुताबिक, 19 अगस्त को स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के साथ

सरकार से आश्वासन मिलने के बाद उन्होंने आंदोलन स्थगित किया था, लेकिन मांग पर अब तक अमल नहीं हुआ।इससे प्रदेशभर के चिकित्सकों में नाराजगी है।



उनका कहना है कि इससे पहले भी कई दिनों तक आंदोलन करने के बाद उन्हें आश्वासन मिला था, लेकिन मांगों का स्थायी समाधान नहीं हुआ।

क्या हैं डॉक्टरों की प्रमुख मांगें- जूनियर डॉक्टरों की 17 सूत्रीय मांगों में एमबीबीएस इंटर्न के स्ट्राइपेंड में बढ़ोतरी, पीजी रेजिडेंट, बॉन्डेड जूनियर रेजिडेंट और सीनियर रेजिडेंट डॉक्टरों के वेतन और मानदेय में संशोधन प्रमुख हैं। इसके अलावा डीएम और एमसीएच सुपर-स्पेशलिटी रेजिडेंट के स्ट्राइपेंड में

चरित्र शंका ने बिगाड़ा रिश्ता ,किराएदार ने गला दबाकर कर दी मकान मालिक की हत्या

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राखी थाना क्षेत्र के ग्राम गनौद में चरित्र शंका को लेकर शुरू हुआ विवाद खूनी वारदात में बदल गया। मकान मालिक और किराएदार के बीच पत्नी से कथित अवैध संबंध के शक को लेकर चल रहा विवाद इतना बढ़ा कि किराएदार ने गुस्से में मकान मालिक का गला दबा दिया। दम घुटने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान वेद राम साहू (45) निवासी ग्राम गनौद के रूप में हुई है। वारदात के आरोप में पुरुषोत्तम धीवर उर्फ छोटू (25) को गिरफ्तार किया गया है। वह मूल रूप से ग्राम धमनी भाटपारा, थाना मंदिह हसौद का रहने वाला है। बताया गया कि पुरुषोत्तम पिछले एक-दो साल से वेद राम साहू के मकान में किराए पर रहकर ऑटो पाट्स की दुकान संचालित कर रहा था। इसी दौरान वेद राम को अपनी पत्नी और किराएदार

पुरुषोत्तम के बीच कथित अवैध संबंध होने का शक हुआ। इसी बात को लेकर दोनों के बीच आए दिन विवाद और कहासुनी होती थी। पुलिस जांच के अनुसार घटना के दिन भी दोनों के बीच इसी मुद्दे को लेकर विवाद शुरू हुआ। कहासुनी बढ़ने के बाद मामला हाथपाई तक पहुंच गया। इसी दौरान पुरुषोत्तम ने वेद राम का गला दबा दिया। गंभीर हालत में वह मौके पर ही गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना शनिवार सुबह करीब 11.30 बजे राखी थाना पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ के बाद आरोपी को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अभिषेक कुमार झा के अनुसार मामले में आरोपी के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर आगे की विवेचना की जा रही है।

शिक्षक ही निकला शिक्षक का हत्यारा: शेयर ट्रेडिंग में 30 लाख का लेन-देन बना हत्या की वजह

आरंग/ रायपुर ■ दैनन्दिनी

ग्राम बनचरौदा के पास महानदी तट पर हुए शासकीय शिक्षक शिवकुमार चंद्रकार के अंधे कल्ले की गुथ्थी को आरंग पुलिस और एसीसीयू (ACCU) की टीम ने महज 24 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। पैसों के लेन-देन और ब्याज के विवाद में शिक्षक की निर्मम हत्या करने वाला कोई और नहीं, बल्कि उसी के स्कूल में पदस्थ उसका साथी शिक्षक चंद्रप्रकाश वर्मा निकला।

17 सितंबर को बनचरौदा के पास महानदी के किनारे एक अज्ञात शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया था। मृतक की पहचान ग्राम रामपुर डंगनिया (चंपारण) निवासी शिवकुमार चंद्रकार (46 वर्ष) के रूप में हुई, जो ग्राम कुम्हारी स्थित शासकीय विद्यालय में शिक्षक थे। वे किसान नेता रूपन चंद्राकर के भतीजे

थे। मृतक के सिर और चेहरे पर किसी भारी वस्तु व धारदार हथियार से ताबड़तोड़ वार कर हत्या की गई थी। घटनास्थल के पास ही उनकी मोटरसाइकिल भी बरामद हुई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए रायपुर ग्रामीण एएसपी अभिषेक कुमार झा, सीएसपी लंबोदर पटेल और आरंग थाना प्रभारी नरेश कुमार साहू फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वाड के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे और साक्ष्य एकत्र किए।

सीसीटीवी फुटेज और VSK ऐप की लॉग रिपोर्ट ने खोला राज-जांच के दौरान पुलिस की शक की सुई मृतक के साथी शिक्षक चंद्रप्रकाश वर्मा की ओर घूमी। चरवाहे और स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि घटना वाले दिन शिवकुमार को अंतिम बार चंद्रप्रकाश की सफेद रंग की स्कूटी पर जाते देखा गया था। पुलिस ने जब कुम्हारी स्कूल के सीसीटीवी फुटेज और शिक्षा विभाग के VSK ऐप (Vidya Samiksha



Kendra App) की लॉग रिपोर्ट का विश्लेषण किया, तो पूरा मामला साफ हो गया। लोकेशन ऑफ कर निकला आरोपी: 17 सितंबर की सुबह 9:35 बजे

चंद्रप्रकाश स्कूल आया और निजी काम का बहाना बनाकर मोबाइल की लोकेशन ऑफ करके तुरंत बाहर निकल गया।

फर्जी उपस्थिति का प्रयास: दोपहर 12:50 बजे आरोपी स्कूल लौटा। पकड़े जाने के डर से उसने अपने फोन से लॉग इन न करके यह बहाना बनाया कि उसका फोन घर पर छूट गया है और दूसरे शिक्षक के फोन से अपनी उपस्थिति (Log-in) दर्ज कराई। ऐप की लॉग रिपोर्ट ने उसके इस झूठ को पकड़ लिया।

30 लाख की उधारी और 3 महीने का बकाया ब्याज बना हत्या का कारण-18 सितंबर को जब पुलिस ने संदेही चंद्रप्रकाश वर्मा को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की, तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह और मृतक पिछले 4 वर्षों से एक-दूसरे को जानते थे तथा गलत रेत, रियल एस्टेट और बुलियन (शेयर/ट्रेडिंग) मार्केट

में निवेश करते थे। 30 लाख रुपये का लेन-देन: इस कारोबार के सिलसिले में आरोपी ने शिवकुमार को लगभग 30 लाख रुपये उधार दिए थे, जिसके बदले में शिवकुमार ने ‘छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक’ के 3 ब्लैंक चेक दिए थे।

ब्याज न देने पर विवाद: आरोपी हर महीने ब्याज लेता था, लेकिन पिछले 3 महीनों से मृतक ब्याज नहीं दे रहा था और मांगने पर गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देता था।

आक्रोश में आकर आरोपी ने हत्या का प्लान बनाया। 17 सितंबर की सुबह करीब 10:00 बजे दोनों कुम्हारी स्कूल के पास मिले और विवाद करते-करते बनचरौदा के सुनसान इलाके में पहुंच गए। वहां विवाद बढ़ने पर आरोपी ने अपनी स्कूटी में पहले से रखे धातुरा हथियार और हथौड़े से शिवकुमार के सिर व चेहरे पर ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी।